जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 257 प्रभात चूरू, मंगलवार 13 जनवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ममता बनर्जी गिरफ्तार हो सकती हैं, ईडी की कार्रवाई में बाधा डालने के आरोप में

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी व प.बंगाल की पुलिस के खिलाफ अन्ततोगत्वा मुकदमा दर्ज किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। एन्फोर्समेंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने अन्ततोगत्वा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उन राज्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज करवा दिए हैं, जो कोलकाता में प्रतीक जैन के आवास और आई-पैक के कार्यालयों पर हुई ईडी की छापेमारी के दौरान वहां पहुंचे थे।

ईडी ने ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल पुलिस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। यदि ये मामले अदालत में कायम रहते हैं, तो इससे उनकी तत्काल गिरफ्तारी संभव हो सकती है। पूरे देश में यह एक अभूतपूर्व घटना मानी जा रही है कि किसी सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री ने छापेमारी और जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया हो।

ईडी ने राज्य की मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें महत्वपूर्ण सबूतों को नुकसान पहुंचाने और जांच में बाधा डालने के आरोप शामिल हैं।

- अगर, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की शिकायत को स्वीकार करते हुए निर्णय सुनाया तो ममता बनर्जी को सीधे जेल जाना पड़ेगा।
- ईडी ने सीबीआई से पूरे प्रकरण की जाँच कराने की भी मांग की है।
- दूसरी ओर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष ''केविएट'' फाइल की, सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई भी निर्णय लेने से पहले राज्य सरकार का पक्ष भी सुने।
- जैसा कि विदित ही है, कंसलटैंसी कंपनी आई-पैक, जिसके ऑफिस पर ईडी ने रेड की, ने 2021 के प.बंगाल विधानसभा चुनाव और उसके बाद भी तृणमूल कांग्रेस की चुनाव की रणनीति फाइनल करने में अहम् भूमिका निभाई थी। प.बंगाल की मु.मंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक मंच से, आई-पैक के दफ्तर पर रेड के दौरान वहाँ पहुँचने और फाइलें ले जाने को सही बताते हुए कहा कि ईडी की रेड राजनीति से प्रेरित है।

ईडी एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के लीज क्षेत्र से कोयले की चोरी और उसे चुनिंदा खरीदारों को बेचने से जुड़ी शिकायतों की जांच कर रही है। इस अवैध आय को हवाला चैनलों के जरिए बाहर भेजा गया और बाद में वापस लाया गया। ईडी पहले ही हवाला लेनदेन को लेकर गंभीर आरोप लगा चुकी है और उसके पास इससे जुड़े अहम सबूत और जानकारी मौजूद हैं।

कानून के तहत किसी जांच एजेंसी की रेड में हस्तक्षेप करना एक संज्ञेय अपराध है। किसी लोक सेवक के कार्य में बाधा डालना कानून का उल्लंघन माना जाता है और इसमें हस्तक्षेप करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप बने वेनेज़ुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। सोशल मीडिया पर डाली गई एक तस्वीर, जो एडिट किए गए विकिपीडिया पेज जैसी दिखती है, में ट्रंप की आधिकारिक फोटो लगाकर उन्हें ''वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति'' बताया गया है।

असल विकिपीडिया पेज पर ट्रंप को वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति नहीं बताया गया है और न ही किसी

- ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी एक फोटो में खुद को वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया है।

अंतरराष्ट्रीय संस्था ने इस दावे को मान्यता दी है।

यह पोस्ट अमेरिका द्वारा मौजूदा वेनेज़ुएला राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर हटाने के बाद सामने आई। मादुरो को उनकी पत्नी के साथ न्यूयॉर्क ले जाया गया है, जहां उन्हें संघीय ड्रग तस्करी के आरोपों का सामना करना होगा। यह कार्रवाई कई महीनों से चल रहे अमेरिकी दबाव, प्रतिबंधों और तेल-समृद्ध देश के खिलाफ सैन्य गतिविधियों के बाद की गई।

मादुरो ने कहा है कि उनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री मोदी व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती ''सच्ची'' है'

अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत सर्जियो गोर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि सच्चे दोस्त आपस में बैठकर मतभेद सुलझा लेते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अगले साल तक भारत का दौरा कर सकते हैं। यह बात अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर ने कही। उन्होंने यह भी बताया कि वॉशिंगटन और नई दिल्ली मंगलवार से व्यापार समझौते के अगले दौर की बातचीत फिर से शुरू करने जा रहे हैं।

गोर, जो दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी हैं, यहां अमेरिकी दूतावास में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ट्रंप की दोस्ती सच्ची है और सच्चे दोस्त अपने मतभेद सुलझा सकते हैं।

अपने आगमन भाषण में उन्होंने कहा, ''अमेरिका और भारत केवल साझा हितों से ही नहीं, बल्कि सबसे ऊंचे स्तर पर मजबूत रिश्तों से जुड़े हैं। सच्चे दोस्त असहमति रख सकते हैं, लेकिन आखिर में अपने मतभेद सुलझा हा लेते हैं।''

- गोर ने यह भी कहा कि वॉशिंगटन व नई दिल्ली मंगलवार से ''ट्रेड डील'' पर वार्ता का अगला ''राउण्ड'' शुरु करेंगे।
- गोर ने पत्रकारों को यह भी बताया कि उनका राजदूत के रूप में नियुक्ति का मकसद दोनों देशों की ''पार्टनरशिप'' को और अगले स्तर पर ले जाना है तथा भारत-अमेरिका ''ट्रेड डील'' एक चुनौतीपूर्ण काम है, पर, वे कटिबद्ध हैं कि इस ''ट्रेड डील'' को पूरा करवाएंगे।

गोर ने आगे कहा, ''भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, इसलिए इस समझौते को अंतिम रूप देना आसान काम नहीं है, लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।''

उन्होंने कहा कि हालांकि, व्यापार नई दिल्ली और वॉशिंगटन के रिश्तों के लिए बहुत अहम है, लेकिन इसके अलावा सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं।

गोर ने जोर देते हुए कहा, ''मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दुनिया भर में घूम चुका हूं और मैं यह कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती ''सच्ची'' है।''

नामित अमेरिकी राजदूत ने कहा कि उनकी नियुक्ति का उद्देश्य दोनों देशों की साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाना है।

उन्होंने आगे कहा, यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और दुनिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अस्पताल में भर्ती

धनखड़ शनिवार 10 जनवरी को बाथरूम में लगातार दो बार बेहोश हो गए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ऑल इण्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज-एम्स) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, वे सप्ताहांत में दो बार बेहोश हो गए थे।

74 वर्षीय धनखड़ को 10 जनवरी को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हुई थीं, जिसके बाद उन्हें एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आगे की जांच के लिए उन्हें भर्ती करने का फैसला किया।

धनखड़ ने पिछले वर्ष 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका इस्तीफा अचानक आया था और इसके बाद कई अटकलें लगाई गईं। इस्तीफे के बाद, वे सार्वजनिक कार्यक्रमों में बहुत ही कम दिखाई दिये।

- सोमवार सुबह उन्हें जाँच के लिए एम्स ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर्स ने उन्हें भर्ती कर लिया। यहाँ एमआरआई सहित उनकी सभी जाँचें की जाएंगी।
- धनखड़ पिछले दिनों कई बार बेहोश हो चुके हैं। कच्छ के उत्तराखंड, केरल और नई दिल्ली में हुए कार्यक्रमों में भी उन्हें बेहोशी का दौरा पड़ा था।
- धनखड़ ने गत वर्ष खराब स्वास्थ्य के कारण अचानक उपराष्ट्रपति के पद से त्याग पत्र दे दिया था, उसके बाद कई तरह की अटकलें लगाई गईं और उनकी सार्वजनिक मौजूदगी भी कम हो गई थी।

स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को जब वे वॉशरूम गए थे, तब उन्हें ''दो बार बेहोशी'' के दौरे पड़े। इसके बाद उन्हें चिकित्सकीय जांच की सलाह दी गई।

एक अधिकारी ने कहा, ''आज वे जांच के लिए एम्स गए थे, लेकिन डॉक्टरों ने जाँचों के लिए उन्हें भर्ती करने पर जोर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल टैस्टों के तहत, डॉक्टरों द्वारा एमआरआई किए जाने की संभावना है।

एक अधिकारी के अनुसार, हाल के दिनों में विभिन्न सार्वजनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने लोहड़ी व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 12 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि बंसत ऋतु के आगमन और नई फसल के उल्लास में मनाया जाने वाला पर्व लोहड़ी प्रकृति

- उन्होंने प्रदेशवासियों को जरुरतमंदों की मदद का संकल्प लेने के लिए कहा।

के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि लोहड़ी की पावन अग्नि प्रदेशवासियों के जीवन से नकारात्मकता को दूर कर स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रकाश फैलाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान सूर्य देव के उत्तरायण होने के अवसर पर मनाया जाने वाला पर्व मकर संक्रांति हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह पर्व हमारे देश की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक एकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोर पकड़ने लगा है मनरेगा समर्थक आंदोलन

देश के विभिन्न भागों में विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरु किए गए हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रविवार को ''मनरेगा बचाओ संग्राम'' रैली पर हुए लाठीचार्ज के बाद, वीबी-जी-राम-जी कानून को पूरी तरह वापस लेने और मनरेगा की बहाली की मांग को लेकर विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन और तेज हो गए हैं।

मोदी सरकार द्वारा मनरेगा, जो अधिकार-आधारित व्यवस्था है, को समाप्त कर उसकी जगह केन्द्र द्वारा संचालित एक कल्याणकारी योजना लाने के फैसले का नोबेल पुरस्कार विजेता जोसेफ स्टिग्लिट्ज और असमानता पर काम करने वाले अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी सहित, कई अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने विरोध किया है। मनरेगा की बहाली की मांग को लेकर जमीनी स्तर पर विभिन्न स्थानों पर आंदोलन शुरू हो चुके हैं। वहीं, विपक्षी कांग्रेस ने यूपीए कालीन इस ग्रामीण रोजगार कानून को निरस्त किए जाने के

- रविवार को वाराणसी में मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के तहत प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पर पुलिस के लाठी चार्ज की सभी तरफ से कड़ी निंदा की गई।
- मनरेगा योजना के सृजनकर्ता जीन ड्रेज़ ने कहा कि नई वीबी जी राम जी योजना केन्द्रीकृत है, इसमें सारी जिम्मेदारी राज्यों की है, यही नहीं, इसे जब चाहे बंद किया जा सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर के नाम चीन अर्थशास्त्री जैसे थॉमस पिकेटी, नोबल सम्मान विजेता जोसेफ स्टिग्लिट्ज़ आदि ने भी मनरेगा को खत्म किए जाने पर विरोध जताया है।

खिलाफ 45 दिनों का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है।

शनिवार को उत्तर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गईं, इसके बाद जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय उपवास और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया। 12 से 29 जनवरी के बीच सभी ग्राम पंचायतों में चौपालों और जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जबकि 30 जनवरी को वार्ड स्तर पर सभाएं होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 7 से 15 फरवरी के बीच विधानसभाओं का राज्य स्तरीय ''घेराव'' किया जाएगा और 16 से 25 फरवरी के बीच चार बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी।

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी डबल इंजन सरकार ने वाराणसी में शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे एनएसयूआई के प्रदर्शनकारियों पर बर्बर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, ''मनरेगा को खत्म किए जाने और लाखों लोगों को रोजगार के अधिकार से वंचित किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई छात्रों पर ताकत का बर्बर इस्तेमाल और गिरफ्तारियां बेहद निंदनीय हैं।

वीबी-जी-राम-जी विधेयक 18 दिसंबर को, लोकसभा में पारित होने के कुछ ही घंटों बाद, राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित किया गया था तथा तीन दिन बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे अपनी मंजूरी दे दी थी।

आलोचकों का कहना है कि नए कानून की असली समस्या उसकी बारीकियों में छिपी है। मनरेगा के प्रमुख शिल्पकार जीन ड्रेज़ का कहना है कि नई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'परीक्षा रद्द करने के टास्क के आधार पर एसआईटी ने पहली रिपोर्ट दी थी'

जयपुर, 12 जनवरी। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एकलपीठ की ओर से भर्ती रद्द करने के आदेश के खिलाफ खंडपीठ में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में चयनित अभ्यर्थियों की दलीलें सुनकर मामले

- एसआई भर्ती मामले में चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने दलीलें रखीं।

की सुनवाई 15 जनवरी को तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने चयनित अभ्यर्थियों व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए ये आदेश दिए।

चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जीवनपर्यंत मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कोई दीवानी या फौज़दारी कार्यवाही नहीं की जा सकेगी'

सरकार द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों को प्रदत्त इस ''सुविधा'' को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के बिल के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (चीफ इलैक्शन कमिश्नर-सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (इलैक्शन कमिश्नर-ईसी) को दी गई जीवनभर की सुरक्षा (इन्यूनिटी) को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि ऐसी सुरक्षा संविधान निर्माताओं की सोच से भी परे जाती है।

याचिका में कहा गया है कि नया कानून सीईसी और ईसी को उनकी ऑफिशियल ड्यूटी के दौरान किए गए कार्यों के लिए किसी भी दीवानी या आपराधिक (सिविल और क्रिमिनल) कार्रवाई से अभूतपूर्व एवं जीवनभर की छूट देता है।

याचिकाकर्ता के अनुसार, बिल में दी गई यह छूट संविधान की सीमाओं से

- सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को गंभीर मानते हुए, सरकार व मुख्य चुनाव आयुक्त को नोटिस जारी किए, इस मसले पर उनका पक्ष रखने के लिए।
- याचिका में यह कहा गया है कि प्रदत्त सुविधा ''जिम्मेवारी'' (एकाउन्टिबिलिटी) के सिद्धांत को कमज़ोर करती है तथा और ऐसी ''सुविधा'' तो संविधान के निर्माताओं ने किसी वर्ग को नहीं दी है, यहाँ तक कि जजों तक को भी।
- सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए भी एक अंतरिम व्यवस्था स्थापित की थी, कि तीन सदस्यीय चयन समिति, जिसके प्र.मंत्री, नेता प्रतिपक्ष व भारत के मुख्य न्यायाधीश सदस्य होंगे, अपने चयन की जानकारी राष्ट्रपति को देंगे तथा राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेंगे। यह अंतरिम व्यवस्था तब तक चलनी थी, जब तक सरकार कोई नया कानून नहीं लाती।
- सरकार 21 दिसंबर 2023 को नया कानून लाई, चयन समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर किसी एक कैबिनेट मंत्री को सदस्य बनाया गया। पर, यह नई व्यवस्था कानून संगत तो थी, क्योंकि, सुप्रीम कोर्ट ने जो प्रक्रिया बनाई थी, वह सुप्रीम कोर्ट के खुद के शब्दों में अंतरिम व्यवस्था थी, न कि कोई स्थाई व्यवस्था और नया कानून बनाकर सरकार को अंतरिम व्यवस्था को बदलने का अधिकार था।

बाहर है और जवाबदेही के सिद्धांत को कमज़ोर करती है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा, ''यह बिल सीईसी और ईसी को ऐसी अभूतपूर्व जीवनभर की छूट नहीं दे सकता, जो संविधान निर्माताओं ने जजों को भी नहीं दी थी। संसद ऐसी छूट नहीं दे सकती, जो संविधान के निर्माताओं ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों को नहीं दी।''

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बैंच ने याचिका में उठाई गई चिंताओं पर ध्यान दिया और कहा कि इस मुद्दे की गहराई से न्यायिक जांच जरूरी है। सीजेआई ने कहा, ''हम इस पर विचार करना चाहते हैं। हम नोटिस जारी कर रहे हैं।'' बैंच ने केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग, दोनों से जवाब मांगा है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि सीईसी और ईसी की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती पेपर लीक के चार आरोपियों को जमानत मिली

जयपुर, 12 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में चार आरोपियों, कैलाश कुमार, मंगलाराम, परमेश चौधरी और विनोद कुमार जाट को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस विनोद

- हाई कोर्ट ने जेल में बिताई अवधि व केस की सुनवाई में लगने वाले समय को देखते हुए जमानत मंजूर की।

कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश चारों आरोपियों की ओर से पेश जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण की तथ्यात्मक स्थिति, आरोपियों की ओर से जेल में बिताई अवधि और केस की सुनवाई में लगने वाले समय को देखते हुए उन्हें जमानत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूसी का ज़हरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुँचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएँ। –प्रेमचंद

एस आई आर पर घमासान

किसी भी लोकतंत्र की पहचान यही है कि वहां पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नियमित रूप से हों एवं बहुमत प्राप्त दल सरकार बनाकर शासन प्रदान करे। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के वैसे तो बहुत सारे आयाम हैं किंतु मूल आधार सही मतदाता सूची का होना है । इसका अर्थ यह है कि प्रत्येक उस व्यक्ति का नाम इसमें दर्ज होना चाहिए जो मतदान करने का अधिकारी है एवं ऐसे किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं होना चाहिए जो मतदान का आधिकारी नहीं है ।

चुनाव कराने की जिम्मेदारी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत भारत के निर्वाचन आयोग को दी गई है। मतदाता सूचियां को अद्यतन (अपडेट)करने हेतु समय-समय पर निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करता रहा है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य उन सभी व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाना होता है जिनकी मृत्यु हो जाती हैअथवा जो स्थाई रूप से कहीं और निवास करने लग गए हों।

इन स्थापित प्रक्रियाओं को छोड़कर निर्वाचन आयोग ने अचानक जून 2025 में बिहार के चुनाव से लगभग तीन माह पूर्व मतदाता सूचियों के सघन गहन परीक्षण अर्थात एस आई आर की प्रक्रिया के बारे में आदेश जारी कर दिए । यह उल्लेखनीय है कि गत 23 वर्षों में यह प्रक्रिया कहीं नहीं की गई थी। इसका कारण मतदाता सूचियों का डिजिटाइजेशन होना था। इसका उद्देश्य घुसपैठियों के नामों को मतदाता सूचियों से हटाना था । विपक्षी दलों द्वारा इसका भरपूर विरोध करने एवं 'वोट चोरी' यात्रा निकालने के बावजूद निर्वाचन आयोग ने इसे नहीं रोका और एस आई आर के बाद की मतदाता सूची के आधार पर बिहार के चुनाव संपादित करवा लिए । कुछ दल एवं सामाजिक कार्यकर्ता सर्वोच्च न्यायालय में गए किंतु उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली । न्यायालय द्वारा इस प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई। नवंबर में इस मतदाता सूची के आधार पर हुए चुनावों में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बन गई और नीतीश कुमार पुन: मुख्यमंत्री बन गए । बिहार में शांतिपूर्वक हुए चुनाव को निर्वाचन आयोग इस बात की पुष्टि मान रहा है कि उनके द्वारा की गई प्रक्रिया सही थी और उसने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एस आई आर प्रारंभ करने की घोषणा कर दी। इसका भारी विरोध हुआ, विशेषकर पश्चिम बंगाल सरकार और तृणमूल कांग्रेस द्वारा। इस प्रक्रिया के बारे में सर्वोच्च न्यायालय में भी कई बार सुनवाई हुई लेकिन अभी तक इस बारे में कोई प्रभावी कार्रवाई न्यायालय द्वारा नहीं की गई है। निर्वाचन आयोग ने तो आधार को 11 दस्तावेजों के साथ 12 मवें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने की न्यायालय की सलाह को भी नहीं माना और अभी भी उसे मान्य दस्तावेज के रूप में सम्मिलित नहीं किया है।

इस बार की एस आई आर में अन्य राज्यों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश भी सम्मिलित है। यहां एस आई आर के पहले की मतदाता सूची में 15.44 करोड़ मतदाता थे। ड्राफ्ट सूची जारी करने के लिए कई बार समय बढ़ाने के बाद जब अंतिम ड्राफ्ट सूची जारी की गई तो इसमें यह संख्या घटकर 12.55 करोड रह गई।

यह उल्लेखनीय है कि जिन व्यक्तियों के नाम पूर्व की मतदाता सूची में थे उन्हें गणना प्रपत्र बांटे गए और उनसे भरवा कर पुन: लिए गए। प्रत्येक मतदाता को उनका या रिश्तेदार का नाम 2003की मतदाता सूची में सम्मिलित होने का प्रमाण भी देना था। यह प्रपत्र कुल 12.55 करोड लोगों से प्राप्त हुए, अर्थात 2.89 करोड के नाम कट गए। इन 12.55 करोड में भी 1.04 करोड ऐसे हैं जिन्होंने फार्म तो भरकर निर्वाचन आयोग में जमा कर दिए, किंतु उनकी मैपिंग अभी तक नहीं हुई है। अर्थात उनका स्वयं का या रिश्तेदार का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं मिल पाया है । यदि इनकी मैपिंग ना हो पाए तो मतदाता सूची में अंकित मतदाताओं की संख्या 12.55 करोड से घटकर 11.51 करोड रह जाएगी।

मैंने इसी स्तंभ में चार बार एस आई आर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से लिखा था, किंतु जिस प्रकार के चौंकाने वाले आंकड़े उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुए हैं और जो समाचार वहां से मिले हैं उसके आधार पर पाठकों को आंकड़ों को विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करना उचित लगा ताकि वे स्वयं यह निर्णय कर सकें कि एस आई आर का उद्देश्य क्या था और उससे क्या हासिल हो पाया है? जहां तक निर्वाचन आयोग एवं सर्वोच्च न्यायालय का प्रश्न है वे तो, सभी प्रकार की विसंगतिया सामने आने के बाद भी धृतराष्ट्र की तरह आँखें मूंद कर बैठे हैं ।

यह बात कई बार कही जा चुकी है कि किसी का नाम एक से अधिक जगह दर्ज होने, उसके मृत होने या अन्य कहीं चले जाने के बाद उसका नाम हटाने का कार्य तो सामान्य पुनरीक्षण प्रक्रिया में हमेशा संभव था। उसके लिए एस आई आर पर करोड़ों रुपए खर्च करने और सबको परेशान करने की आवश्यकता नहीं थी। 2003 की मतदाता सूची में नाम ढूंढने का काम लोगों के लिए बहुत परेशानी का कारण बना है और बी एल ओ तक भी ऐसा नहीं कर पाए हैं । इसी लिए उत्तर प्रदेश में 1.04 करोड मतदाता अभी भी unmapped हैं।

एस आई आर की प्रक्रिया उन्हीं सरकारी कर्मचारियों के द्वारा की जा रही है जो इस प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के अधीन काम करते हैं। पहले भी लगभग उन्हीं कर्मचारियों ने निर्वाचन आयोग के देखरेख में काम किया । जिस प्रकार से बहुत बड़ी संख्या में मतदाता सूची में नाम कटने की बात सामने आ रही है, उससे तो ऐसा लगता है कि पहले कर्मचारियों ने अपना काम किया ही नहीं। यदि इसे सही मान भी लें तो इस बात की क्या गारंटी है अभी जो कर्मचारी काम कर रहे हैं वे बिल्कुल सही कर रहे होंगे, क्योंकि कर्मचारी तो वही हैं । निर्वाचन आयोग ने अपने पूर्ववर्ती निर्वाचन आयोगों के काम पर प्रश्न चिन्ह लगाकर अपनी विश्वसनीयता को कम ही किया है।

पाठकों को शायद यह विदित हो कि पंचायती राज और स्थानीय निकाय के चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जाते हैं, ठीक उसी प्रकार जैसे भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा और लोकसभा के कराए जाते हैं । उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची, जिसे अंतिम रूप हाल ही में दिया गया है, उसमें केवल ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या 12.69 करोड़ है ,जबकि एस आई आर की ड्राफ्ट मतदाता सूची में पूरे राज्य में 12.55 करोड लोगों का नाम हैं । राज्य निर्वाचन आयोग के ठामीण मतदाता सूची में यदि शहरी मतदाताओं की संख्या जोड़ दी जाए तो राज्य के कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 17 करोड होती है। इसका अर्थ यह हुआ कि एक ही राज्य में विधानसभा/लोकसभा के लिए 12.55 करोड मतदाताओं की तुलना में पंचायती राज और नगर निकायों के चुनाव में 17 करोड लोग मतदान करेंगे । यह 4.50 करोड का अंतर समझ से परे है। जहां तक विदेशी अवैध लोगों को मतदाता सूची से बाहर निकालने का प्रश्न है, बिहार में पूरी प्रक्रिया के बावजूद अभी तक निर्वाचन आयोग ने यह सार्वजनिक नहीं किया है कि कितने ऐसे लोग हैं जिन्हें विदेशी होने के कारण मतदाता सूची से हटाया गया।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में कहा कि चार करोड लोगों के नाम कटे हैं जिनमें से अधिकांश भाजपा के हैं। उन्होंने आव्हान किया कि प्रत्येक बूथ पर 150-200 लोगों के नाम जुड़वाने हैं। योगी आदित्यनाथ के इस कथन के बाद समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया को सही बताया, शायद इसलिए कि बीजेपी के मतदाताओं के नाम कटे हैं ।

प्रश्न यह नहीं है कि एस आई आर के कारण किस दल को लाभ होगा अथवा हानि होगी, बल्कि यह है कि जो कार्य किया जा रहा है वह कितना न्यायोचित एवं मतदाताओं के लिए सुविधाजनक है? किसी भी ग्रामीण गरीब मतदाता से अपेक्षा करना कि वह अपने दस्तावेज प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाएगा, सही नहीं है।

एस आई आर के निर्देशों के अनुसार जिन व्यक्तियों के नाम इन 12.55 करोड की ड्राफ्ट सूची में सम्मिलित नहीं है उन्हें नए वोटर बनने के लिए फॉर्म 6 भरना पड़ेगा। यह कितनी विचित्र बात है कि जो व्यक्ति लगातार कई चुनाव में वोट दे रहे थे उन्हें पुन: नए वोटर की तरह दस्तावेज चुनाव आयोग में जमा कराने होंगे। 2003 में हुए एस आई आर के बाद मतदाता सूचियों का कंप्यूटरीकरण कर दिया गया था। उसके बाद इस प्रकार की कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि केवल एक बटन दबाकर एक से अधिक स्थान पर दर्ज मतदाताओं के नामों को आसानी से काटा जा सकता था ।

मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए ।उत्तर प्रदेश में और अन्य राज्यों में जिस प्रकार से एस आई आर किया जा रहा है वह न केवल अस्पष्ट अपितु अपारदर्शी भी है । इसके कारण कई प्रकार की आशंकाओं को बल मिलना स्वाभाविक है। चुनाव न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष हों अपितु जनता में यह विश्वास होना भी आवश्यक है। यही सबसे बडी कमी इस एस आई आर की प्रक्रिया में दिखाई दे रही है।

यदि 1.04 करोड लोगों का मैपिंग नहीं हो पता है तो मतदाता सूची में कुल संख्या लगभग 11.51 करोड रह जाएगी जो राज्य निर्वाचन सूची में दर्ज मतदाताओं के मुकाबले में 5.5 करोड़ कम होगी । इस प्रकार लगभग 30 प्रतिशत मतदाताओं की संख्या में कमी आना आश्चर्य जनक है। सामान्यत: आजकल चुनाव में हार जीत का अंतर एक या दो प्रतिशत होता है। यदि मतदाताओं की संख्या में 20-30 प्रतिशत मतदाताओं का अंतर आ जाए तो इसका कितना प्रभाव चुनावी परिणाम पड़ सकता है, उसका अनुमान ही लगाया जा सकता है।

जनसंख्या में 18 वर्ष की आयु के ऊपर के लोगों का प्रतिशत सामान्यतया 70 प्रतिशत होता है। उसके अनुसार उत्तर प्रदेश की 2025 की जनसंख्या लगभग 24 करोड़ में से लगभग 16.80 करोड़ मतदाता होने चाहिएं। निर्वाचन आयोग कोई भी प्रक्रिया अपना ले यह संख्या इसके लगभग होनी चाहिए। यदि इससे चार या पांच करोड़ कम होगी तो विवाद पैदा होगा ही।

पाठकों को ज्ञात है कि एस आई आर की प्रक्रिया उन्हीं सरकारी कर्मचारियों के द्वारा की जा रही है जो इस प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के अधीन काम करते हैं। पहले भी लगभग उन्हीं कर्मचारियों ने निर्वाचन आयोग के देखरेख में काम किया । जिस प्रकार से बहुत बड़ी संख्या में मतदाता सूची में नाम कटने की बात सामने आ रही है, उससे तो ऐसा लगता है कि पहले कर्मचारियों ने अपना काम किया ही नहीं। यदि इसे सही मान भी लें तो इस बात की क्या गारंटी है अभी जो कर्मचारी काम कर रहे हैं वे बिल्कुल सही कर रहे होंगे, क्योंकि कर्मचारी तो वही हैं । निर्वाचन आयोग ने अपने पूर्ववर्ती निर्वाचन आयोगों के काम पर प्रश्न चिन्ह लगाकर अपनी विश्वसनीयता को कम ही किया है।

इससे पहले कि एस आई आर का मुद्दा विपक्षी दलों और सत्ताधारी दलों के बीच बहुत बड़े घमासान का रूप ले ले, उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय इसमें हस्तक्षेप करे और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने का काम करे,ताकि योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न हो जाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान बना एआई नवाचार का उभरता केंद्र

राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस भारत के समावेशी और सतत एआई विकास की मजबूत नींव

धर्मेन्द्र कुमार मीना

राजस्थान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में राष्ट्रीय विजन को साकार करने की दिशा में एक और ठोस कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान एआई नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है।

राजस्थान क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि तकनीक-आधारित विकास, समावेशी प्रगति और जनकल्याण के लिए एआई का उपयोग सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। यह सम्मेलन भारत एआई इम्पैक्ट समिट- 2026 की तैयारी के क्रम में एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय पड़ाव सिद्ध हुआ।

सम्मेलन में संस्थागत सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए गूगल, आईआईटी दिल्ली, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा स्किल डेवलपमेंट नेटवर्क (वाधवानी फाउंडेशन) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस बहुपक्षीय साझेदारी का उद्देश्य एआई अनुसंधान, बड़े पैमाने पर कौशल विकास, नैतिक एवं कानूनी ढांचे तथा नवाचार-आधारित इकोसिस्टम को मजबूत करना है, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे और राज्य की डिजिटल क्षमताओं में वृद्धि होगी।

उच्चस्तरीय रणनीतिक सत्र में श्री अभिषेक सिंह, अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमइआईटीवाय), सीईओ-इंडियाएआई मिशन एवं महानिदेशक-एनआईसी, ने श्री विशाल धूपर, मैनेजिंग डायरेक्टर-साउथ एशिया, एनवीडिया के साथ संवाद किया। सत्र का संचालन श्री समीर जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्राइमस पार्टनर्स ने किया। चर्चा में एआई अवसंरचना के लोकतंत्रीकरण, सार्वजनिकद-निजी भागीदारी को सुदृढ़ करने, नवाचार को व्यापक स्तर पर सक्षम बनाने तथा सुरक्षित और भरोसेमंद एआई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

इंडियाएआई मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कविता भाटिया, वैज्ञानिक 'जी', समूह समन्वयक, एमइआईटीवाय एवं सीओओ-इंडिया एआई मिशन ने भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की दृष्टि और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि नीति, अवसंरचना और मानव संसाधन विकास के समन्वित प्रयासों से एआई को जनकल्याण से जोड़ा जा रहा है।

वैश्विक एआई, राष्ट्रीय एआई और क्षेत्रीय एआई विषय पर अविनाश शर्मा, प्रोफेसर, आईआईटी जोधपुर ने क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थानीय संदर्भों को समझने वाले समाधान ही वैश्विक स्तर पर प्रभावी सिद्ध होते हैं। सम्मेलन के दौरान शासन, अवसंरचना, नवाचार, नैतिकता और रोजगार जैसे विषयों पर समानांतर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और जनसेवा में इसके उपयोग पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की यह पहल राज्य को एआई आधारित नवाचार, कौशल विकास और सतत विकास का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राजस्थान क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस ने यह सिद्ध किया कि राज्य तकनीक को जनहित से जोड़ते हुए भारत के एआई भविष्य में सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

–धर्मेन्द्र कुमार मीना,
सहायक निदेशक, करौली

बांग्लादेश – एक ओर कटु अनुभव

प्रो. कैलाश सोडाणी

1947 में भारत के साथ-साथ धर्म के आधार पर पाकिस्तान का भी एक राष्ट्र के रूप में उदय हुआ। पाकिस्तान को मुस्लिम जनसंख्या के आधार पर दो भूखंड प्राप्त हुए, जिन्हें पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना गया। राजनैतिक एवं सैन्य नैतृत्व हमेशा पश्चिमी पाकिस्तान के पास रहा, परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान हमेशा शोषित एवं पीड़ित ही रहा। पश्चिमी पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के साथ भाषाई, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक आधार पर बहुत अत्याचार किए। उर्दू को राष्ट्र भाषा बनाने और बांग्ला को उपेक्षित करने से बंगालियों में भारी असंतोष रहा।

बजट का अधिकतम हिस्सा केवल पश्चिमी पाकिस्तान के विकास पर खर्च किया एवं पूर्वी पाक को नजरअंदाज किया गया। जनसंख्या में अधिक होने के बावजूद पूर्वी पाक को राजनीतिक प्रतिनिधित्व बहुत कम दिया गया। पश्चिमी पाकिस्तान के जुल्मों के खिलाफ मुजीबुर्रहमान के नैतृत्व में जन आंदोलन 'मुक्ति संग्राम' प्रारम्भ हुआ। मार्च 1971 में शेख मुजीबुर्रहमान को गिरफ्तार करके पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू किया, जिसके दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा व्यापक अत्याचार, नरसंहार और बलात्कार हुए।

1970 के आम चुनावों में अवामी लीग की जीत के बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं एवं सेना ने सत्ता सौंपने से इंकार कर दिया। यही से बांग्लादेश के जन्म की कहानी शुरू हुई। इन अत्याचारों के कारण लाखों लोगों ने भारत में शरण ली, जिससे एक बड़ा शरणार्थी संकट पैदा हुआ और यही से भारत का हस्तक्षेप प्रारम्भ हुआ। यह हस्तक्षेप अन्तत: भारत-पाक युद्ध (बांग्लादेश मुक्ति संग्राम) में परिवर्तित हुआ। 13 दिनों का युद्ध 16 दिसंबर, 1971 को समाप्त हुआ।

जनरल मानेकशा के मजबूत एवं कुशल नैतृत्व में भारतीय सेना और बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया। 1971 के भारत-पाक युद्ध की एक मात्र वजह पूर्वी पाकिस्तान के नागरिकों को पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना था। इस युद्ध में अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया। अन्तर्राष्ट्रीय खतरों से खेलते हुए भारत ने पाक को धराशायी किया एवं पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश में बदल दिया। पूरी दुनिया ने बांग्लादेश के रूप में एक नये राष्ट्र के निर्माण में भारत के प्रत्यक्ष योगदान को स्वीकार किया। विश्व में बांग्लादेश को एक राष्ट्र के रूप में भारत ने ही सबसे पहले मान्यता प्रदान की। तब अन्य देशों ने बांग्लादेश को स्वीकार किया।

भारत सरकार ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के शरणार्थियों की सहायता के लिए भारतीय जनता से दान एवं विशेष डाक टिकटों से धन एकत्रित किया। बांग्लादेश निर्माण में आम भारतीय नागरिकों का भी प्रत्यक्ष योगदान रहा है। भारत ने बांग्लादेश को हमेशा अपना छोटा भाई समझकर हर संभव मदद की। परन्तु दुर्भाग्य है कि यह भाई दुर्योधन-दुशासन ही सिद्ध होता जा रहा है। बांग्लादेश को गेंहूँ एवं चावल जैसी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भारत करता है। बांग्लादेश मुख्यरूप से दुनिया को रेडीमेड कपड़ो का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित करता है जिसका आधार भारतीय कपास एवं धागे ही हैं।

वर्ष	भारत में मुसलमान	बांग्लादेश में हिन्दू
1941	9.8 प्रति.	28.4 प्रति.
1971	11.2 प्रति.	13.6 प्रति.
2011	13.4 प्रति.	8.5 प्रति.

अघोषित हिन्दू राष्ट्र भारत बांग्लादेश को उसके जन्म से लेकर आज तक पल्लवित कर रहा है फिर भी वहाँ हिंदुओं की लगातार घटती आबादी उनके दु:ख-दर्द की ही अभिव्यक्ति है। भारत में मुसलमानों की आबादी का लगातार बढ़ना यह सिद्ध करता है कि वे यहाँ पूर्ण शान्ति एवं प्रतिष्ठा से जीवन जी रहे हैं।

उक्त आकड़े एवं तथ्य बहुत कुछ कह रहे हैं। इन आंकड़ो की पीछे छिपी हुई सच्चाई को समझना होगा। देश और दुनिया के धार्मिक संतुलन में होने वाला यह परिवर्तन हमें किस दिशा में ले जाएगा इस पर चिन्तन होना चाहिये। धर्म निरपेक्षता तथा गंगा-जमुना तहजीब के नारों की आवाज में हमें हमारे इतिहास और आज की वास्तविकता को नजरंदाज नहीं करना चाहिये।

भारत हर बार एक ही गलती को दोहराता आ रहा है और उसके दुष्परिणाम भी भुगत रहा है, फिर भी सुधर नहीं रहा है। लोगों को पहचानने में हर बार की इस भूल से ही भारत टूटता गया, बिखरता गया और अपमानित होता गया। दुश्मन को बार-बार माफ करने की तथा कथित बड़प्पन वाली मानसिकता को भी छोड़ना होगा। आज बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं, यह वर्ग विशेष की अहसान फरामोश सोच एवं कार्यप्रणाली का द्योतक है। सुधरना तो हमें ही पड़ेगा।ऐसी अहसान फरामोश कोम पर किसी भी स्थिति में सहानुभूति एवं सहिष्णुता की आवश्यकता नहीं है। लगभग 2 करोड़ रोहिंग्या मुसलमान (बांग्लादेशवासी) रोजी-रोटी के लिये भारतीय अर्थव्यवस्था एवं प्रजातंत्र पर स्थायी भार बन चुके हैं। हमे उन्हें कठोरता से यह समझाना होगा कि भारत एक राष्ट्र है, धर्मशाला नहीं। सौभाग्य से आज देश का महावत अर्थात राजनैतिक नैतृत्व ऐसे कृतघ्न लोगों को माफ करने की मानसिकता नहीं रखता है। उम्मीद है इतिहास को दोहराएंगे नहीं, उसे बदलने के साथ आगे बढ़ेगा।

दोस्तों, यह नया भारत है जो समस्याओं को टालता नहीं, टकराना जानता है और उन्हें मिटाना जानता है। इसी सोच और विश्वास के साथ बांग्लादेश को यथाशीघ्र कठोरता से सबक सिखाना होगा। हिंदुओं के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार की सजा मिलने पर ही इतिहास पलटने की गूँज सुनाई देगी।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

छबड़ा में संचालित अन्नपूर्णा योजना की रसोई में अनियमितताओं का आरोप

बताया जा रहा है कि रसोई पर काम करने वाले कर्मचारी मनमानी करते हैं

छबड़ा, (निसं)। राजस्थान सरकार की 'कोई भूखा ना सोए' योजना के तहत बस स्टैंड पर संचालित अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। शहर में संचालित उक्त रसोई में न केवल लाभार्थियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, बल्कि उन्हें एक-एक घंटे इंतजार कराने के बाद भी खाना नहीं दिया जा रहा है।

- **शहर में संचालित अन्नपूर्णा योजना रसोई में न केवल लाभार्थियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, बल्कि उन्हें एक-एक घंटे इंतजार कराने के बाद भी खाना नहीं दिया जा रहा**
- **आरोप है कि इस रसोई पर काम करने वाले कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं और खाना खाने आए लोगों को बेवजह परेशान कर रहे हैं**

पिंकू, ओमप्रकाश, सत्यनारायण, राधेश्याम, फूलचंद, रामनिवास, नेमीचंद आदि ने आरोप लगाते हुए बताया कि इस रसोई पर काम करने वाले कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं और खाना खाने आए लोगों को बेवजह परेशान कर रहे हैं। उन्हें घंटों इंतजार कराने के बाद भी भूखे पेट वापस लौटना पड़ रहा है। कर्मचारी लाभार्थियों के साथ दादागिरी कर रहे हैं और उन्हें भोजन देने से इनकार कर रहे हैं। समीप में संचालित हो रहे रेन बसेरे में ठहरने वाले लोग जब रसोई पर खाना खाने पहुंचते हैं तो उनके साथ अशोभनीय व्यवहार किया जाता है।

रसोइयों में पूरा भोजन नहीं दिया जा रहा :- सरकार का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को भरपेट भोजन मिले। इसी वजह से दो साल पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर खाने की मात्रा बढ़ाई गई थी। पूर्ववर्ती सरकार के समय 450 ग्राम भोजन मिलता था, जिसे बढ़ाकर भजनलाल सरकार ने 600 ग्राम कर दिया। अन्नपूर्णा रसोइयों में 8 रुपए में एक थाली भोजन दिया जाता है। प्रत्येक थाली पर सरकार की ओर से 22 रुपए का अनुदान दिया जाता है। भोजन की निर्धारित मात्रा प्रति थाली 600 ग्राम है, लेकिन कई रसोइयों में पूरा भोजन नहीं दिया जा रहा है। नियमानुसार अन्नपूर्णा रसोइयों में पूरी साफ-सफाई होनी चाहिए और सम्मानजनक तरीके से खाना दिया जाना चाहिए। भोजन करने वाले हर व्यक्ति का फोटो खींचना होता है, ताकि उसी हिसाब से संचालक सरकार को रिपोर्ट भेजें और फिर अनुदान की राशि स्वीकृत हो। हर रसोई में भोजन का मेन्यू चार्ट लगाया होना चाहिए।

राशिफल मंगलवार 13 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 12:07 तक, शूल योग सायं 7:05 तक, विष्टि करण दिन 3:18 तक, चन्द्रमा सायं 5:21 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग रात्रि 12:07 तक है। भद्रा दिन 3:18 तक रहेगी। आज लोहड़ी उत्सव, भोगी (उ.भारत में) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:58 से 11:17 तक, लाभ-अमृत 11:17 से 1:54 तक, शुभ 3:12 से 4:31 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:49

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजिनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिजिनों/मित्रों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान में

1 लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर - 2026

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	पदों की संख्या	परीक्षा माह
1	प्राध्यापक भर्ती - 2025	09	जनवरी
2	राजस्थान प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल-I) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	5449	जनवरी
3	राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल-II) (विज्ञान गणित) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	1043	जनवरी
4	राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल- II) (सामाजिक अध्ययन) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	296	जनवरी
5	राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल- II) (अंग्रेजी) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	221	जनवरी
6	राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल- II) (हिन्दी) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	174	जनवरी
7	राजस्थान प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल-I) (संस्कृत) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	187	जनवरी
8	राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल-II) (संस्कृत) सीधी भर्ती परीक्षा - 2025	389	जनवरी
9	शिक्षा विभाग (विभिन्न पद)	10000	जनवरी - मार्च
10	सहायक विद्युत निरीक्षक भर्ती - 2025	09	फ़रवरी
11	कनिष्ठ रसायनज्ञ भर्ती - 2025	13	फ़रवरी
12	आयुष मिशन के विभिन्न पद	1548	फ़रवरी
13	सहायक अभियंता संयुक्त भर्ती - 2024 (मुख्य परीक्षा)	1014	मार्च
14	उप निरीक्षक पुलिस परीक्षा - 2025	1015	अप्रैल
15	कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा	1100	अप्रैल
16	पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती - 2025	1100	अप्रैल
17	सहायक कृषि अभियंता भर्ती - 2025	281	अप्रैल
18	प्रयोगशाला सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा (भूगोल)	136	मई
19	प्रयोगशाला सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा (विज्ञान)	668	मई
20	व्याख्याता, व्याख्याता कृषि एवं कोच संयुक्त भर्ती - 2025 (माध्यमिक शिक्षा)	3725	मई - जून
21	राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (संयुक्त) परीक्षा	500	मई
22	महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा	72	जून

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	पदों की संख्या	परीक्षा माह
23	वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा	259	जून
24	कानिस्टेबल परीक्षा	4000	जून-जुलाई
25	लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक सीधी भर्ती परीक्षा	10644	जुलाई
26	वरिष्ठ अध्यापक संयुक्त भर्ती - 2025(माध्यमिक शिक्षा)	6500	जुलाई
27	कनिष्ठ विधि अधिकारी भर्ती - 2025	12	जुलाई
28	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (विभिन्न पद)	3000	जुलाई-अगस्त
29	वरिष्ठ कंप्यूटर अनुदेशक सीधी भर्ती परीक्षा	322	अगस्त
30	बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक सीधी भर्ती परीक्षा	2214	अगस्त
31	सांख्यिकी अधिकारी भर्ती - 2025	113	अगस्त
32	शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा	1079	सितम्बर
33	निरीक्षक कारखाना एवं बायलर्स भर्ती - 2025	12	सितम्बर
34	निरीक्षक कारखाना (रसायन) भर्ती - 2025	01	सितम्बर
35	सहायक निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी भर्ती - 2025	09	अक्टूबर
36	सफाई कर्मचारी भर्ती	24793	अक्टूबर
37	ऊर्जा विभाग (विभिन्न पद)	2000	अक्टूबर
38	विविध पद	6000	अक्टूबर - दिसम्बर
39	संरक्षण अधिकारी भर्ती - 2025	12	नवम्बर
40	कनिष्ठ अभियंता संयुक्त सीधी भर्ती	774	नवम्बर
41	संविदा टीचिंग एसोसिएट सीधी भर्ती परीक्षा	3500	दिसम्बर
42	ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा	3430	दिसम्बर
43	चिकित्सा अधिकारी भर्ती	600	दिसम्बर
44	नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल भर्ती	2000	दिसम्बर

"प्रदेश के युवाओं को मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सरकार निष्पक्ष, पारदर्शी एवं योग्यता के आधार पर भर्तियों के लिए कृतसंकल्प है। आपकी मेहनत एवं लगन, आपके और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगी।"

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

प्रदेश में कड़ाके की ठंड जारी, चूरू और श्रीगंगानगर में पारा करीब 1.3 डिग्री रहा

चूरू और बीकानेर में खेतों और गाड़ियों पर जमी बर्फ की चादर

चूरू जिले के कई ग्रामीण ईलाकों में सोमवार सुबह खेतों में बर्फ जमीं नजर आई।

■ सीकर, जयपुर, कोटा, अलवर सहित कई जिलों में ठण्डी हवाओं से कड़ाके की सर्दी जारी

चूरू, (निसं)। प्रदेशभर में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। सोमवार को कई जिलों के ग्रामीण इलाकों के खेतों में उगी घास, फसलों के पत्तों और गाड़ियों की छतों पर बर्फ जम गई। चूरू शहर में भी कई स्थानों पर ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। वहीं चूरू जिले में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री और अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री दर्ज किया गया। बीकानेर में सर्दी ने सोमवार को अपना तीखा रूप दिखाया। सीकर, जयपुर, कोटा, अलवर सहित कई जिलों में सर्दी का दौर जारी है। बीकानेर जिले में अधिकतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं श्रीगंगानगर में सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई। श्रीगंगानगर में मौसम रडार स्टेशन पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

चूरू संवाददाता के अनुसार :-जिले में सोमवार सुबह गांव ढाणी लाल सिंहपुरा में टेम्पो की छत पर बर्फ की परत जमी मिली। वहीं गांव के खेतों में फसलों के पत्तों और पानी की बाल्टियों में भी पानी बर्फ बन गया। पारे में गिरावट के साथ बर्फीली हवाओं ने लोगों को ठिठुरन का अहसास करवाया। हालांकि सोमवार सुबह घना कोहरा नहीं था, लेकिन हवाओं में गलन के कारण सर्दी का प्रकोप बना रहा।

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :-बीकानेर जिले में सर्दी ने सोमवार को अपना तीखा रूप दिखाया। जिले में न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात और सुबह की ठंड इतनी तेज रही कि कई इलाकों में जमीन पर जमी हुई बर्फ नजर आई।

शहर और ग्रामीण इलाकों में सुबह के समय घरों में लगी दूब और घास पर बर्फ जमने की रिपोर्ट सामने आई है। देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने गंगाशहर में बर्फ जमने का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें खुले मैदान और घरों के आसपास सफेद परत साफ दिखाई दे रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड के तीखे असर की पुष्टि हो रही है।

तेज सर्दी के चलते बीते दिनों जिला कलैक्टर द्वारा घोषित अवकाश के बाद सोमवार से बीकानेर के स्कूल दोबारा खुल गए हैं। छात्रों को सुबह की ठंड से राहत देने के लिए स्कूलों का समय बदलकर सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक कर दिया गया है। कई दिनों के बाद सोमवार सुबह धूप खिली। सुबह नौ बजे तक लोगों ने अपने घरों की छतों पर धूप का आनंद लिया, जिससे दिन में ठंड का असर कुछ कम महसूस हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में दिन के समय धूप खिलने की संभावना बनी हुई है, जिससे सर्दी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि रात और सुबह के समय ठंड अभी भी बनी रहेगी और लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- श्रीगंगानगर जिले में हाथ-पैर सुन्न करने वाली तेज ठंड का दौर जारी है। इसी बीच मौसम विभाग ने जिले में शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है और लोगों को घर से निकलने में दिक्कत हो रही है। दिन में हल्की धूप निकली, जिससे कुछ देर राहत मिली लेकिन प्रदेश में श्रीगंगानगर सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम रडार स्टेशन पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रविवार को न्यूनतम 3.6 डिग्री और अधिकतम 12.4 डिग्री रहा, जबकि शनिवार को न्यूनतम 3.9 डिग्री और अधिकतम 8.6 डिग्री दर्ज हुआ। शीतलहर के कारण न्यूनतम तापमान में 2.2 डिग्री की गिरावट आई है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार हिमालय क्षेत्र में इन दिनों हो रही बर्फबारी से ठंडी हवाएं सीधे राजस्थान पहुंच रही हैं। श्रीगंगानगर सिंचित क्षेत्र होने के कारण पहले से ही नमी ज्यादा है, जिससे ठंड का असर और तेज हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी 2-3 दिनों तक ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। सुबह-शाम घने कोहरे का प्रभाव जारी रहेगा।

मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अभी कड़ाके की ठंड का दौर जारी रहेगा। उन्होंने कई क्षेत्रों में शीतलहर और अति शीतलहर की प्रबल संभावना जताई है। कड़ाके की सर्दी के चलते लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। लोग ठंड से राहत पाने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह अखबार बांटने वाले हॉकर और दूध बेचने वाले दूध विक्रेता सर्वाधिक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि पारे में गिरावट और बर्फ जमने के बावजूद छोटे स्कूली बच्चों की छुट्टियां घोषित नहीं की गई हैं। कृषि विभाग के अनुसार सुबह के समय पड़ने वाला कोहरा चने की फसल के लिए काफी लाभदायक माना जाता है।

बयाना में खेतों के पास दिखा लैपर्ड

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र में स्थित बंध बारैठा वन्यजीव अभयारण्य से सटे इलाकों में एक बार फिर लेपर्ड की मूवमेंट सामने आई है। सोमवार सुबह कोट गांव निवासी श्यामवीर गुर्जर जब ट्रैक्टर से घर लौट रहे थे, तब परौआ और कोडपुरा गांव के बीच सरसों के खेत की पाल के पास लेपर्ड बैठा दिखाई दिया। श्यामवीर ने लेपर्ड का वीडियो भी बनाया। कुछ देर तक ट्रैक्टर की ओर देखने के बाद लेपर्ड मौके से भाग गया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि डांग क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पैंथर की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे किसान और राहगीर भयभीत हैं। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने, रात में बाहर न निकलने और मवेशियों को सुरक्षित रखने की अपील की है। रेंजर जितेंद्र सिंह के अनुसार क्षेत्र में तीन-चार लेपर्ड का मूवमेंट रहता है और निगरानी बढ़ाई जा रही है।

हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सवीना थाना क्षेत्र में कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई तथा पति घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के सविना थाना क्षैत्र में एकलिंगपुरा पेट्रोल पंप के समीप रविवार रात में कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में खटूकड़ा रेलमगरा राजसमन्द्र हॉल फतहनगर निवासी हेमलता पत्नी मदनलाल की मौत हो गई तथा पति मदन गंभीर घायल हो गया जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। एएसआई प्रीतमसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मदन अपनी पत्नी हेमलता एवं पुत्र दक्ष के साथ पायड़ा में स्थित मंदिर से दर्शन कर वापस घर की तरफ लौट रहे थे, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया।

अलवर में मिली बमनुमा वस्तु को नष्ट किया तो धमाका हुआ

■ जयपुर से पहुंची एंटी बम स्क्वॉड ने संदिग्ध वस्तु को नष्ट किया तो पटाखे जैसा धमाका हुआ

■ अलवर में एक मकान के पास मिली थी बमनुमा वस्तु, पुलिस के साथ ही बम स्क्वॉड मौके पर पहुंची थी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में सोमवार सुबह एक मकान के पास बम जैसी वस्तु मिली। इस पर टाइमर लगा था। यह वस्तु अरावली विहार थाना इलाके के विवेकानंद नगर सेक्टर-4 में मिली। पुलिस इसे शहर से करीब साढ़े छह किलोमीटर दूर जयसमंद बांध पर लेकर गई। वहां उसे खाली जगह रखा गया। बांध के आसपास के पूरे इलाके को सील कर दिया गया। लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई। जयपुर से पहुंची एंटी बम स्क्वॉड ने संदिग्ध वस्तु को नष्ट किया तो पटाखे जैसा धमाका हुआ।

बम निरोधक स्क्वॉड के एएसआई रमेश चंद ने बताया कि इसमें कोई एक्सप्लोसिव नहीं था। अपने उपकरणों से हर तरीके से जांच की। जांच के बाद कुछ संदिग्ध नहीं मिला। संदिग्ध वस्तु में पेस्ट और टाइमर लगाया गया था, जिससे ऐसा लगे कि बम हो। लेकिन ऐसा नहीं था। टीम ने छोटा सा धमाका कर इसे न्यूट्रलाइज (बेअसर) कर दिया। अब इसके पार्ट की भी जांच करवाई जाएगी।

यह वस्तु बाबूसिंह के मकान के पास मिली थी। बाबूसिंह ने बताया कि सुबह संदिग्ध व्यक्ति मेरे घर में घुसा था। उसके साथ मेरा झगड़ा हुआ। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। उस व्यक्ति के पास से संदिग्ध वस्तु गिरी थी। इसके बाद वह भाग गया। उसमें केवल एक पेस्ट और टाइमर लगाया गया था, जिससे पहली नजर में यह बम जैसा प्रतीत हो रहा था। सभी एंगल से जांच के बाद भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक तत्व नहीं पाया गया। हालांकि सुरक्षा प्रक्रिया के तहत टीम ने नियंत्रित तरीके से एक छोटा सा धमाका कर उस वस्तु को न्यूट्रलाइज किया, जिसमें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी।

पाली में कोहरे के कारण ट्रेलर से टकराई बस, एक की मौत

■ चार यात्री घायल, सांडेराव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के सांडेराव थाना क्षेत्र में सोमवार अलसुबह करीब 5 बजे फोरलेन हाईवे 162 पर अम्बिका पेट्रोल पंप के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया। सवारियों से भरी एक निजी बस आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में बस में सवार एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य यात्री घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस ड्राइवर जगदीश बेनीवाल एवं नर्सिंग स्टाफ देवाराम ने तत्परता दिखाते हुए बस का गेट तोड़कर फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायल यात्रियों को 108 एम्बुलेंस की मदद से सांडेराव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

पुलिस के अनुसार हादसे में भेरसी राम पुत्र गोपाराम देवासी (29 वर्ष) निवासी पाडपुरा, जिला जालोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के शव को सांडेराव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्च्यूरी में सुरक्षित रखवाया गया है। बताया जा रहा है कि निजी बस दिल्ली से जालोर जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

युवक ने आत्महत्या की : उदयपुर शहर के हिरणमगरी थाना क्षैत्र में युवक ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरड़ा फला टवेड़ा निवासी नारायणलाल (40) पुत्र मनजी ने रविवार रात में बबूल के पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इस पर एएसआई अरविन्द्र सिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। नारायणलाल रात में घर आया तथा कुछ देर बाद वापस चला गया। देर रात तक नहीं आने पर उसका पुत्र नूतन व बड़ा भाई नाना दोनों तलाश करने निकले तो वह गांव में खेत में बबूल के पेड़ पर लटका नजर आया। जिसे नीचे उतारकर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

सहकारी समिति व्यवस्थापक रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ क्रय-विक्रय सहकारी समिति ढंढार के व्यवस्थापक महिपाल सिंह ने मूंग की तुलवाई की प्रति क्विंटल 300 रुपये की रिश्वत मांगी

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम सेवा सहकारी समिति ढंढार में कार्यरत व्यवस्थापक महिपाल सिंह को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी झुंझुनूं को एक परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसने अपने पिता और ताऊ सहित अन्य परिजनों की मूंग एमएसपी के तहत क्रय-विक्रय सहकारी समिति ढंढार में विक्रय के लिए तुलवाई कराई थी। इस दौरान व्यवस्थापक महिपाल सिंह ने प्रति क्विंटल 300 रुपये की रिश्वत की मांग की। परिवादी और उसके परिचितों की करीब 100 क्विंटल मूंग की तुलवाई कराई गई थी। इसके अतिरिक्त, व्यवस्थापक द्वारा प्रति किसान शपथ-पत्र के नाम पर 5 हजार रुपये अलग से रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें व्यवस्थापक द्वारा परिवादी से कुल 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगना प्रमाणित पाया गया। इसके बाद सोमवार को एसीबी झुंझुनूं टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अनुसार आरोपी महिपाल सिंह के पास से 30 हजार रुपये की रिश्वत राशि उसकी पहनी हुई जैकेट से बरामद कर ली गई है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

नशीली कफ सिरप का सप्लायर गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी पुलिस ने नशीले कफ सिरप की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक सप्लायर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ओनिरेक्स कप सीरप की 73 शीशियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई रविवार दोपहर टपूकड़ा थाना क्षेत्र में की गई।

टपूकड़ा थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि थाना टपूकड़ा की टीम गश्त पर थी। टेरा केसटल सोसाइटी के पास एक कच्चे रास्ते पर एक युवक सफेद कट्टा लिए संदिग्ध अवस्था में दिखा। वह खुद को छिपाते हुए सोसाइटी की ओर जा रहा था। पुलिस टीम ने संदिग्ध युवक को रोका और पूछताछ की। उसने अपना नाम अनीस उर्फ टीमानी पुत्र नारून निवासी मुसारी, टपूकड़ा बताया। कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें ओनिरेक्स कप सीरप की 73 शीशियां मिलीं। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह इन शीशियों को नशे के लिए ग्राहकों को बेचने जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए औषधि नियंत्रण अधिकारी, अलवर को मौके पर बुलाया गया। जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि प्रत्येक शीशी में कोडीन फॉस्फेट मौजूद है, जो नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत एक नारकोटिक घटक है।

पुलिस के अनुसार, कोडीन युक्त कफ सिरप का उपयोग चिकित्सकीय देखरेख में ही किया जा सकता है। हालांकि, बिना लाइसेंस के इसकी अवैध बिक्री युवाओं में नशे की लत फैलाने का एक बड़ा माध्यम बन रही है। भिवाड़ी पुलिस की यह कार्रवाई ऐसे अवैध नेटवर्क पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

40 लाख रुपये की सायबर ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जालौर के एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

■ सायबर ठगों ने एक व्यापारी से 40 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस को सायबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ऐसे संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है जो नामी हस्तियों की फोटो और ट्रूकॉलर आईडी का इस्तेमाल कर लाखों की ठगी करता था। पुलिस ने इस मामले में जालौर के एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

भीलवाड़ा के प्रतापनगर थाना इलाके में सायबर ठगों ने एक व्यापारी से 40 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया था। ठगों ने मशहूर व्यवसायी पृथ्वीराज कोठारी की फोटो व्हाट्सएप डीपी पर लगाई और ट्रूकॉलर पर भी उन्हीं के नाम की आईडी बना ली। इसके बाद उन्होंने भीलवाड़ा निवासी मीठा लाल सिंघवी को कॉल कर खुद को पृथ्वीराज कोठारी बताया और विश्वास में लेकर हवाला के जरिए 40 लाख रुपये ऐंठ लिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देश और सीआई राजपाल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की सूचना पर पुलिस ने जालौर और बालोतरा के आसपास दबिश दी। पुलिस ने जालौर के हिस्ट्रीशीटर मोडसिंह उर्फ विक्रम सिंह और उसके साथी कैलाश सिंह को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आरोपी मोडसिंह बेहद शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में करीब 9 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। यह गिरोह संगठित तरीके से अलग-अलग राज्यों में ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

गैंगरेप के एक आरोपी को उम्रकैद, दूसरा फरार

अलवर, (निस)। अलवर के रामगढ़ थाना क्षेत्र में गैंगरेप करने वाले एक आरोपी को अलवर कोर्ट ने आजीवन जेल की सजा सुनाई है। वहीं मुल्जिम पर साढ़े पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं गैंगरेप का दूसरा आरोपी अब तक फरार है, जिसे पकड़ा नहीं जा सका।

विशिष्ट लोक अभियोजक एडवोकेट पंकज यादव ने बताया कि 9 मार्च 2023 को रामगढ़ थाना क्षेत्र में मुकदमा दर्ज कराया कि नाबालिग से दो जनों ने गैंगरेप किया। उसका अश्लील वीडियो बना लिया। उसके बाद उसको ब्लैकमेल भी किया। परिवार के लोगों को तब पता चला जब नाबालिग पांच महीने की गर्भवती हो गई। उसके बाद मां ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मुकदमे के बाद दोनों मुल्जिमों पर आरोप साबित हो गए। इस पर कोर्ट ने एक आरोपी को आजीवन जेल की सजा सुनाई है। उस पर साढ़े पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया, लेकिन दूसरा आरोपी फरार है। इसके अलावा पीड़िता को 2 लाख रुपए प्रतिकर दिलाने के आदेश दिए हैं। इस मामले में कोर्ट ने कहा कि कम उम्र की बालिका से गैंग रेप करना जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्यालय मुख्य अभियंता (थर्मल डिज़ाइन), 604, इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना : TN-61(RVU2526GLOB01998)
रा.वि.उ.नि. के विभिन्न विद्युत गृहों के लिए एच.टी. केबल्स की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/17462 RVUN/PR-4324 अधीक्षण अभियन्ता (टी.डी.-III)

कार्यालय नगर पालिका वजीरपुर जिला सवाई माधोपुर (राज.)
क्रमांकः न.पाव./2025-26/2099 दिनांकः - 07.01.2026
निविदा सूचना
नगरपालिका वजीरपुर में खुली बोली/कार्य की निविदा NIB CODE DLB2526B0008 की आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान लोक उपापन पोर्टल की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in देखी तथा डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका वजीरपुर
राज.संवाद/सी/25/17447

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.) फोन नम्बर : (0294)2428768 / 2428763-67, फैक्सः (0294)2428768, 2428739
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 12/01/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 11/2025-26 UBN No. MML2526GLOB00138	कम्पनी की लाईम स्टोन मांइस, जैसलमेर पर विभिन्न प्रकार की साइज एवं विवरण अनुसार कन्वेयर बेल्ट्स की आपूर्ति हेतु निविदा। अनुमानित मात्रा - निविदानुसार, धरोहर राशि (रु. में) 42,000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com / www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/17468 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर परिषद, चित्तौड़गढ़
क्रमांक :- उत्सव/2025-26/9729 दिनांक :- 08.01.2026
ई-निविदा सूचना
नगर परिषद द्वारा इच्छुक एवं अनुभवी निविदादाताओं से गणतंत्र दिवस 2026 पर मिठाई एवं अल्पाहार संबंधी व्यवस्था के कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित राशि, निविदा विक्रय, प्राप्ति, अन्य विवरण/शर्ते एवं जानकारी वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। कार्य में कुल अनुमानित व्यय 15,00,000/- रूपयें है।
UBN No. DLB2526SLOB29773
आयुक्त
नगर परिषद चित्तौडगढ़
राज.संवाद/सी/25/17517

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता ईसरदा परियोजना वृत्त टोंक
क्रमांक-1200 दिनांक-31.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26
राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय के अधीन, कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता पुनर्वास खण्ड ईसरदा परियोजना जल संसाधन टोंक के 01 कार्य जिसकी अनुमानित लागत रू. 145.92 लाख है, के लिए उपर्युक्त श्रेणी में योग्य पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.01.2026 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 15.01.2026 सायं 06.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 16.01.2026 को प्रात 11.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है या सम्पूर्ण निविदा नहीं खोली जा सकती है तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय निविदा खोली जावेगी। निविदा से संबंधित कार्यो का विवरण वेबसाईट www.diproline.org, https://eproc.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in & http://sppp.raj.nic.in व कार्यालय हाजा के निोटिस बोर्ड पर कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
NIB NO.. WRD2526A0598, UBN NO. WRD2526WSRC02068
(जितेन्द्र लुहाडिया)
अधीक्षण अभियन्ता
ईसरदा परियोजना वृत्त
जल संसाधन विभाग टोंक
DIPR/C/206/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत बुन्दी
ई-मेल-secircle.bun.phed@rajasthan.gov.in and sephedbundi@gmail.com
क्रमांक-अअ/जनस्वा/स्था/वृ.बूंदी/2025-26/ दिनांक-
निविदाा सूचना संख्या 07/2025-26
(NIB NO. PHE2526A5042)
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वृत बून्दी के अधीन पेयजल जल योजनाओं पर निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in विभागीय वेबसाईट www.phedwater.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदायें दिनांक 05.01.2026 से 20.01.2026 तक वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर अपलोड की जा सकेगी तथा तकनीकी बिड दिनांक 21.01.2026 को दोपहर 3.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी।
UBN CODE: 1. PHE2526WSRC10343, 2. PHE2526WSRC10344, 3. PHE2526WSRC10345, 4. PHE2526WSRC10346
(सुनील कुमार शर्मा)
अधीक्षण अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
वृत बून्दी
DIPR/C/229/2026

Office Of The District Education Officer (HQ) Secondary Jalore (Raj.)
No. deo/hq/sec/jalore/Accounts/2025-26/01 Date: 05.01.2026
NOTICE INVITING TENDER NO. 2
Bid of procurement of supply of complete Ladies & Gents Bicycles procurement is inviting form interest bidders up to 16.01.2026 time 12.30 P.M. Other particulars of the bid may be visiting on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in of the site.

S. No.	Item/Description of work	Estimated cost (In Rupees)	UBN
01	Supply of Complete Ladies & Gents Bicycles 20" (Colour-Orange)	1,04,53,914/-	EDU2526 GLOB00117

(Bhanwar Lal Parmar)
Dist. Education Officer,
(HW.) Secondary, Jalore
DIPR/C/367/2026

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2026/10325 दिनांक :- 06.01.2026
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 22.01.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB29732), (DLB2526WSOB29733), (DLB2526WSOB29734), (DLB2526WSOB29735), (DLB2526WSOB29737), (DLB2526WSOB29739), (DLB2526WSOB29740), (DLB2526WSOB29742), (DLB2526WSOB29744), (DLB2526WSOB29745), (DLB2526WSOB29746), (DLB2526WSOB29747), (DLB2526WSOB29748), (DLB2526WSOB29753), (DLB2526WSOB29759), (DLB2526WSOB29761), (DLB2526WSOB29763), (DLB2526WSOB29765), (DLB2526WSOB29766) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/17500

Visit us : www.mpuat.ac.in Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com Mo. No. : 8112207969 / 9414389929
कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
क्रमांक : एफ( )/कृअके/2025-26/243-46 दिनांक : 12/01/2026
निविदा सूचना (2025-26)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 19.01.2026 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य	4,49,900/-	9,000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
क्रमांक-अअ/सा/2025-26/4022 दिनांक-31.12.2025
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 13 वर्ष 2025-26
NIB NO. PWD2526A4944
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से Mantenance of Various B I roads under Risk & Cost के अन्तर्गत सडक कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में कुल 17 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 159.71 लाख है अत उक्त कार्यो के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	02 जनवरी 2026 9.30 बजे से 12 जनवरी 2026 सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
PWD2526WSOB19769, PWD2526WSOB19770, PWD2526WSOB19771, PWD2526WSOB19772
(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर
DIPR/C/193/2026

युवा दिवस पर युवाओं ने देखी विधानसभा

विधान सभा में लगाये गये रक्तदान शिविर में 81 लोगों ने रक्तदान किया और 155 लोगों ने नि:शुल्क मेडिकल जांच कराई

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर राजस्थान विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के युवाओं ने राजस्थान विधानसभा के सदन, भवन और संग्रहालय को देखा। देवनानी ने युवाओं का आव्हान किया कि वे निरन्तर मेहनत करें, आगे बढ़े और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदार बने। देवनानी ने युवाओं को युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और ओवर स्पीड से वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिये कहा। युवाओं ने विधान सभा को देखने का अवसर प्रदान करने के लिए स्पीकर देवनानी का आभार जताया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर शुरू किये गये जनदर्शन अभियान के तहत सोमवार को युवा दिवस पर महाविद्यालय शिक्षा के तीन सौ युवाओं ने विधान सभा देखी।

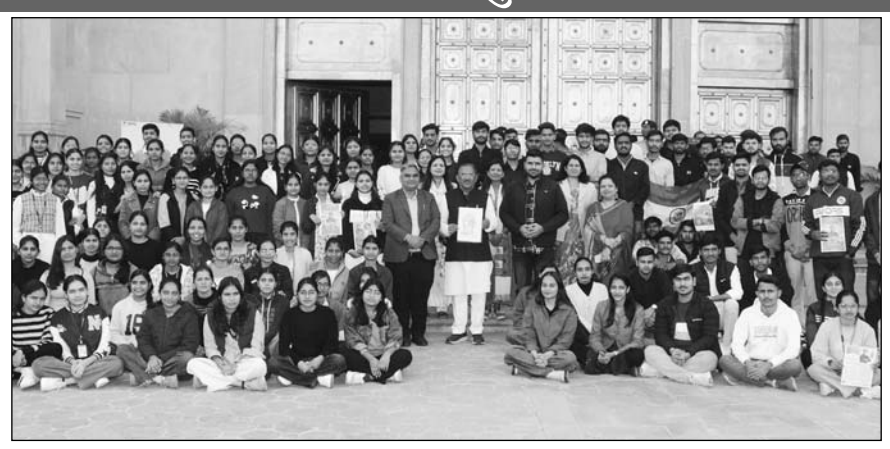

युवाओं ने विधान सभा को देखने का अवसर प्रदान करने के लिए स्पीकर देवनानी का आभार जताया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक अन्तिम वर्ष के युवाओं ने विधान सभा के गुलाबी सदन और ऐतिहासिक भवन को देखकर गौरव का अनुभव किया। युवाओं ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा। युवाओं ने राज्य के गौरवशाली इतिहास को जाना। स्पीकर देवनानी को युवाओं ने अपने हाथों से बनाए स्वामी विवेकानन्द के चित्र भेंट किये। युवाओं ने देवनानी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं भी दी।

इस मौके पर दी अर्थ ऐसोसिएशन की डॉ. हेमलता शर्मा, भावना बंसल, नीतू कुशवाह और रिया हिम्मतरामका भी मौजूद थीदेवनानी के जन्मदिवस पर विधानसभा सचिवालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति के तत्वावधान में सोमवार को यहां विधान सभा में राजस्थान हॉस्पिटल व स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा मानव कल्याण हेतु लगाये गये रक्तदान एवं नि:शुल्क मेडिकल चेकअप शिविर में 81 लोगों ने रक्तदान किया और 155 लोगों ने नि:शुल्क मेडिकल जांच कराई। शिविर में सोमवार को प्रात: 10 बजे से राजस्थान विधानसभा सचिवालय में विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदाताओं को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को राज्य मंत्री मण्डल के सदस्य सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने पुष्प गुच्छ भेंट कर देवनानी को जन्म दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

- **स्पीकर देवनानी ने युवाओं को दी शुभकामनाएं और कहा मेहनत करो और आगे बढ़ो**

देवनानी को विधायकगण रविन्द्र सिंह भाटी, रोहित बोहरा, जसंवत सिंह पूर्व विधायक जीतराम, रामकिशोर मीणा सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण ने जन्म दिवस की बधाई दी। स्पीकर देवनानी को राजस्थान विधान सभा पहुँचने पर प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा व विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा के साथ विधान सभा के सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने जन्मदिवस पर अभिवादन करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी से जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो. वाईस चांसलर सुधीर भण्डारी, अक्षय पात्र के प्रतिनिधिगण और पत्रकारगण ने जन्म दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रामकृष्ण मिशन, जयपुर ने कई दिलचस्प कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। युवा भाषण प्रतियोगिता में 18-25 साल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता 6 दिसंबर 2024 को आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईएएस अधिकारी अनुपमा जोरवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा उपस्थित रही।

कांग्रेसियों का सिर्फ जनता को भ्रमित करने का प्रयास : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के वीबी जी राम जी योजना को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन पर पलटवार किया। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को मनरेगा में सुधार से क्या परेशानी है। मनरेगा का नाम "विकसित भारत गारंटी- रोजगार और आजीविका मिशन करने पर वीबी जी राम जी बना है, इसमें गलत क्या है, कांग्रेसी नेताओं को राम नाम से आपत्ति क्या है। कांग्रेसियों का प्रदर्शन, आंदोलन मुद्दा विहीन मुद्दा है। यह सिर्फ देश की जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। कांग्रेस सिर्फ हंगामा करने के लिए मुद्दा विहीन विषय को मुद्दा बना रही है। ऐसे में कांग्रेसी नेताओं को संभलने की, सुधार करने की बेहद जरूरत है।

- **कांग्रेस कर रही हल्की राजनीति, बिना सोच वाली राजनीतिक पार्टी कांग्रेस दे रही है भ्रष्टाचारियों का साथ : मदन राठौड़**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनरेगा में विकसित भारत जोड़ने का काम किया तो क्या गलत किया ?, भ्रष्टाचार समाप्त किया तो क्या गलत किया?, रोजगार दिवस बढाने का काम किया तो क्या गलत किया?। इतना ही नहीं, मोदी ने मजदूरी का भुगतान 15 दिवस में करने का काम किया तो क्या गलत किया? राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता जहां विरोध करना चाहिए, वहां विरोध नहीं जता रहे।

पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाले मामले में ईडी की कार्रवाई को वहां की मुख्यमंत्री द्वारा प्रभावित किया जाता है, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को पनपने तक नहीं दिया जा रहा, इसके बावजूद कांग्रेस वहां विरोध नहीं जता रही है। कांग्रेसी नेता बिल्कुल हलके स्तर की राजनीति पर उतर आए है। बिना सोच वाली राजनीतिक पार्टी कांग्रेस एक ओर भ्रष्टाचारियों का साथ दे रही है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र प्रथम की भावना और विकसित भारत के सपने को पुरा करने की दिशा में कार्य करने वालों का विरोध कर रही है, यह समझ से परे है। कांग्रेसियों का विरोध भी दिखावा मात्र है, कहने को तो वे मौन अनशन पर थे, लेकिन उनके नेता मोबाइल पर बात कर रहे थे, मीडिया को बाइट दे रहे है, फिर कैसा मौन अनशन?भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वीबी जी राम जी में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को अब प्रति वर्ष 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। मजदूरी का भुगतान कार्य समाप्ति के अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य किया गया, देरी होने पर मुआवजे का प्रावधान किया गया।

ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं को योजना बनाने और कार्यान्वयन में मुख्य जिम्मेदारी दी गई है। केवल शारीरिक श्रम ही नहीं, बल्कि कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यिमता पर भी विशेष जोर दिया गया है।

जयपुर डिस्कॉम ने की पतंग उड़ाते समय सावधानी बरतने की अपील

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम ने मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने के दौरान बिजली की लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाये रखने के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखने की अपील की है। यदि आवश्यक सतर्कता बरती जाए तो किसी भी संभावित विद्युत दुर्घटना से बचा जा सकता है एवं विद्युत आपूर्ति में व्यवधान को भी रोका जा सकता है।

मकानों के पास से गुजर रही बिजली की लाइनों के आस-पास पतंग उड़ाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। यदि बिजली के तारों अथवा उपकरणों में पतंग या डोर फंस जाए तो लोहे अथवा एल्यूमिनियम के पाइप, सरिए या गीली लकड़ी से पतंग हटाने का प्रयास नही करना चाहिए। एल्यूमिनियम फॉयल (धातु) से बनी हुई पतंग एवं मेटल पाउडर कोटेड मांझे का उपयोग नहीं करना चाहिए।

पुस्तक 'सूर्य नमस्कार' का विमोचन

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विश्व चैंपियन संदीप आर्य द्वारा लिखित पुस्तक 'सूर्य नमस्कार' का विमोचन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा किया गया। राठौड़ ने संदीप आर्य की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संदीप आर्य देश और विदेश में सूर्य नमस्कार की अलख जगा रहे हैं, जो भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य है। राठौड़ ने संदीप के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए युवाओं से इस महाभियान से जुड़ने का आ ान किया। संदीप अब 'सूर्य नमस्कार महाभियान' की शुरुआत कर रहा है। इसमें देशभर के 10 करोड़ युवाओं को सूर्य नमस्कार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सके।

- **प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विश्व चैंपियन संदीप आर्य द्वारा लिखित पुस्तक 'सूर्य नमस्कार' का विमोचन किया**

उल्लेखनीय है कि संदीप आर्य ने सूर्य नमस्कार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए लगातार 37 घंटे बिना रुके 20 हजार बार सूर्य नमस्कार कर अब तक 6 बार विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं।

'एपीओ भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों सहित असफल हुए दस अभ्यर्थियों की कॉपी करें पेश'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती-2024 में सिर्फ चार अभ्यर्थियों के पास होने के मामले में आरपीएससी को निर्देश दिए हैं कि वह इन चयनित अभ्यर्थियों सहित परीक्षा में असफल रहे किन्हीं 10 अन्य अभ्यर्थियों की कॉपी अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश करे।

- **याचिका में कहा गया कि आयोग की ओर से जारी यह परिणाम मनमाना, अव्यावहारिक और संविधान के मूल अधिकारों के खिलाफ है।**
- **अदालत ने मामले की सुनवाई टालते हुए अभ्यर्थियों की कॉपियां पेश करने के आदेश देते हुए अधिकारी को तलब किया है**

वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों की ओर से परीक्षा में प्राप्त किए गए कुल अंकों की जानकारी भी सारणीबद्ध तरीके से देने को कहा है। अदालत ने कहा है कि 15 जनवरी को आरपीएससी सचिव या उनकी ओर से मामले को जानने वाला अधिकृत सक्षम अधिकारी अदालत में हाजिर हो। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सृष्टि सिंघल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान आरपीएससी के सचिव वीसी के जरिए अदालत से जुडे। तकनीकी बाधा के चलते उनकी ओर से अदालत में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टालते हुए अभ्यर्थियों की कॉपियां पेश करने के आदेश देते हुए अधिकारी को तलब किया है।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने सहायक अभियोजन अधिकारी के 180 पदों भर्ती निकाली थी। जिसमें मुख्य परीक्षा में करीब तीन हजार अभ्यर्थी शामिल हुए।

परीक्षा में एक प्रश्न पत्र विधि और एक प्रश्न पत्र हिंदी व अंग्रेजी भाषा का रखा गया था। लिखित परीक्षा के बाद आयोग ने सिर्फ 4 अभ्यर्थियों को ही सफल घोषित किया और आयोग के परिणाम के अनुसार अन्य सभी अभ्यर्थी न्यूनतम अनिवार्य चालीस फीसदी अंक भी नहीं ला सके। याचिका में कहा गया कि भर्ती परीक्षा में शामिल कई अभ्यर्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में चालीस फीसदी से अधिक अंक हासिल किये थे। आरजेएस परीक्षा सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा से कहीं अधिक कठिन परीक्षा मानी जाती है।

इसके बावजूद ऐसे अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में असफल कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि आयोग की ओर से जारी यह परिणाम मनमाना, अव्यावहारिक और संविधान के मूल अधिकारों के खिलाफ है।

याचिका में आशंका जताई गई है कि परीक्षा के मूल्यांकन में त्रुटिपूर्ण मॉडल उत्तर और अत्यधिक कठोर अंकन कर मषीनी अंदाज में कॉपियां जांची गई है। ऐसे में परीक्षा परिणाम को रद्द कर नए सिरे उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर संशोधित परिणाम जारी किया जाए।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर मानसरोवर जिला का घोष संचलन

जयपुर। स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) के अवसर पर मानसरोवर जिला द्वारा वैशाली नगर में घोष का संचलन एवं प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में 95 स्वयंसेवकों ने घोष वादन किया, जिसे सुनकर बड़ी संख्या में उपस्थित समाजबंधु मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख जगदीश रहे। उन्होंने युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ अनेक उतार-चढ़ाव, प्रतिबंध और दमन का सामना करते हुए आज इस स्थिति तक पहुंचा है। उन्होंने बताया कि बस्ती और गांव तक संचलन से शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद व्यापक गृह संपर्क अभियान चलाया गया।

- **कार्यक्रम में 95 स्वयंसेवकों ने घोष वादन किया, जिसे सुनकर बड़ी संख्या में उपस्थित समाजबंधु मंत्रमुग्ध हो गए**

युवा दिवस के अवसर पर मानसरोवर जिला द्वारा वैशाली नगर में घोष का संचलन एवं प्रदर्शन किया।

इसका उद्देश्य समाज जागरण के लिए भारत के प्रत्येक घर तक पहुंचना रहा। इसी क्रम में देशभर में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का केंद्र 'पंच परिवर्तन' हैं सामाजिक समरसता, स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक शिष्टाचार और कुटुम्ब प्रबोधन। उन्होंने कहा कि केवल सत्ता से नहीं, बल्कि समाज के जागरण से ही परिवर्तन संभव है और इसका आधार परिवार है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गीतकार राजेंद्र गुप्ता रहे।

उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया। इस अवसर पर महानगर संघचालक चैन सिंह तथा जिला संघचालक मान सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

सार-समाचार

पचासवीं वर्षगांठ मनाई

जयपुर। पचास वर्ष पहले महाराजा के स्नातकों के स्वर्ण जयंती समारोह का प्रारंभ हुआ। जयसिंह हाइवे बनिपार्क स्थित गुलाबी नगरी में ये स्वर्ण जयंती समारोह का जश्न मनाया गया।

बेयर फुट कॉलेज में सोलर दीदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। ग्रामीण महिलाओं की तकनीकी क्षमता निर्माण और विकेन्द्रीकृत व सतत् सौर ऊर्जा समाधानों को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेयर फुट कॉलेज में सोमवार को सोलर दीदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा आधारित आजीविका सृजन एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैइस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिल्होरा ब्लॉक की 30 स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। सभी प्रतिभागी महिलाओं का चयन निर्धारित मानकों के अनुसार एसएचजी नेटवर्क से किया गया है तथा उन्हें आवासीय प्रशिक्षण हेतु बेयर फुट कॉलेज में नामांकित किया गया है। सोलर दीदी प्रशिक्षण कार्यक्रम को 40 दिवसीय संरचित मॉड्यूल के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें सौर ऊर्जा के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा की मूलभूत अवधारणाओं, अनुप्रयोगों, सोलर पैनल असेंबली एवं इंस्टॉलेशन, सौर उपकरणों के अनुरक्षण एवं लघु मरम्मत, फील्ड स्तर पर ट्रबलशूटिंग तथा समुदाय-स्तरीय सौर प्रणालियों के प्रबंधन से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान किया जाएगा।

मनीष केडिया शहर मीडिया प्रभारी मनोनीत

जयपुर। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन, राजस्थान के जयपुर जिला अध्यक्ष सुधीर नाटाणी एवं जयपुर शहर महामंत्री विष्णु बियानी की संस्तुति पर संजय कॉलोनी शिवपथ जयपुर निवासी मनीष केडिया को शहर मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया गया केडिया की नियुक्ति पर श्रीराम अग्रवाल, सुनील अग्रवाल सहित अन्य बंधुओं ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

पौष बड़ा महोत्सव का भव्य आयोजन

जयपुर । अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा, जयपुर युवा संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास पर नववर्ष स्नेह मिलन समारोह, पौष बड़ा महोत्सव एवं सुंदरकांड पाठ का भव्य एवं यादगार आयोजन हुआ।कार्यक्रम में भक्ति, प्रेम, का अद्भुत संगम देखने को मिला सभी समाज बंधुओं ने मिलजुलकर राम भक्ति में डूबकर सुंदरकांड का सामूहिक पाठ किया जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिकता से ओतप्रोत हो गया।युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलावाला ने बताया कि छात्रावास का वातावरण पूरी तरह भक्ति एवं स्नेह से भर गया था नववर्ष के स्वागत में हर्षोल्लास के साथ स्नेह मिलन हुआ।

जेडीए और नगर निगम मिलकर तैयार करेंगे मेजर कॉम्प्रिहेंसिव प्लान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर शहर में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान और ड्रेनेज सिस्टम को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जयपुर विकास प्राधिकरण ने एक बड़ी पहल की है।

सोमवार को जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में जेडीए के चिंतन सभागार में डिजास्टर मैनेजमेंट को लेकर बैठक संपन्न हुई।

- **सांगानेर और पृथ्वीराज नगर दक्षिण के लिए 250 करोड़ की कार्ययोजना की जायेगी तैयार**

जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में जेडीए के चिंतन सभागार में डिजास्टर मैनेजमेंट को लेकर बैठक संपन्न हुई।

बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि अब जयपुर शहर के ड्रेनेज तंत्र को मजबूत करने के लिए जेडीए, नगर निगम और राज्य का आपदा प्रबंधन विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

बैठक में जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने निर्देश दिए कि तीनों विभाग आपसी समन्वय के साथ जयपुर शहर के लिए एक मेजर कॉम्प्रिहेंसिव प्लान तैयार करें। इस योजना के क्रियान्वयन और वित्तीय प्रबंधन के लिए एक विशेष फंड भी बनाया जाएगा।

इस फंड में एसडीएमएफ के निर्धारित फंड के अलावा जेडीए और नगर निगम द्वारा भी राशि का योगदान दिया जाएगा।

योजना के सफल संचालन और तकनीकी निगरानी के लिए जेडीए, नगर निगम और आपदा प्रबंधन विभाग के अभियंताओं की एक संयुक्त कमेटी गठित की जाएगी, जो इस संपूर्ण कार्ययोजना का प्रबंधन संभालेगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि जेडीए द्वारा वर्तमान में प्राथमिकता के आधार पर सांगानेर और पृथ्वीराज नगर योजना दक्षिण क्षेत्र में ड्रेनेज और आपदा प्रबंधन के लिए 250 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह कार्ययोजना नेबकॉन (नाबार्ड कंसल्टिंग सर्विसेज) के माध्यम से बनाई गई है।

कृषि भूमि पर स्टांप ड्यूटी विवाद पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहरी क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि पर आवासीय दर से स्टांप ड्यूटी वसूलने से जुड़े मामले में प्रमुख वित्त सचिव और आईजी स्टांप व कोटा उप-पंजीयक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश दुर्गा शंकर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सिद्धार्थ बापना ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की कोटा में कृषि भूमि है। जिसे राजस्व रिकॉर्ड में कृषि भूमि ही दर्शाया गया है और सरकार की ओर से इस पर कृषि दर से ही राजस्व वसूला जाता है। याचिकाकर्ता ने गत एक सितंबर को इसे बेचने के लिए इकरारनामा किया था। इसके तहत भूमि को कृषि भूमि मानकर कीमत तय की गई और एक नवंबर, 2025 तक पूरी रकम अदा होने पर रजिस्ट्री कराने का निर्णय लिया गया। याचिका में कहा गया कि इस बीच 1 अक्टूबर को राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर कृषि भूमि की सीमा एक हजार वर्ग मीटर से बढ़ाकर दो हजार वर्ग मीटर कर दी। वहीं इसे स्टांप ड्यूटी के लिए आवासीय भूमि के समान मान लिया। याचिका में कहा गया कि यह फैसला संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। वहीं संबंधित भूमि कृषि भूमि ही है और उसका न तो रूपान्तरण हुआ है और ना ही भू उपयोग बदला गया है। इसके बावजूद उसे आवासीय मानकर अतिरिक्त स्टांप ड्यूटी वसूलना गलत है। इसके अलावा राज्य सरकार ने यह अधिसूचना जारी करने से पहले इस पर आपत्तियां नहीं मानी। ऐसे में पूर्व में किए गए समझौते इस अधिसूचना से प्रभावित हो रहे हैं। याचिका में गुहार की गई है कि इस अधिसूचना के संबंधित प्रावधान को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

- **अधिवक्ता सिद्धार्थ बापना ने बताया कि याचिकाकर्ता की कोटा में कृषि भूमि है। जिसे राजस्व रिकॉर्ड में कृषि भूमि ही दर्शाया गया है और सरकार की ओर से इस पर कृषि दर से ही राजस्व वसूला जाता है**

सार-समाचार

स्काउट गाइड प्रशिक्षण तृतीय सोपान का सीबीईओ ने किया अवलोकन

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ रतनगढ़ के तत्त्वावधान में स्थानीय श्री गणेश बाल निकेतन विद्यालय (फ्रेंड्स सोसायटी) में आयोजित द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट गाइड प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का अवलोकन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप व्यास द्वारा किया गया । स्काउट के प्रणेता डॉक्टर बेडेन पावेल के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन से शुरू हुए कार्यक्रम में मंच पर राजलदेसर युवा विकास समिति के अध्यक्ष व उप प्रधान रतनलाल बारूपाल , स्थानीय संघ रतनगढ़ के अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान, मंत्री मदन दाधीच , शिव भगवान सोनी , विनोद भाटिया , मुकेश श्रीमाल, एडवोकेट जगदीश बालानिया , वीरेंद्र लाटा व समाजसेवी पूनम चंद्र गर्ग उपस्थित थे। स्थानीय संघ के सचिव राकेश नायक ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत् किया शिविर संचालक ओमप्रकाश मेघवाल ने शिविर संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी दी । कार्यक्रम में राजलदेसर युवा विकास समिति के आर्थिक सौजन्य से उपस्थित सभी स्काउट ,गाइड व प्रतिनियुक्त स्टाफ को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए ।इस अवसर पर स्थानीय संघ चूरू के सचिव ओमप्रकाश खिंवासर ,क्वार्टर मास्टर रामचंद्र प्रजापत , संस्था प्रधान रोहित प्रजापत , डूंगरराम प्रजापत, पूनम सेन , विमला चौधरी , सूर्य प्रकाश , मोहनलाल प्रजापत , सत्यनारायण टेलर , मनोज सारस्वत सहित स्काउट व गाइड उपस्थित रह।

निर्मल सैनी बने टेंट यूनियन के राष्ट्रीय सचिव

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे के 32 वर्षीय टेंट यूनियन के राजलदेसर टेंट यूनियन के शहर अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्ष तक अपना संगठन में अपना सफल तय करने वाला निर्मल सैनी जो की चुरू जिले के अंदर टेंट व्यवसाय में अपनी अलग पहचान रखता है चाहे बड़े राजनीतिक नेताओं की रैलियां हो चाय विवाह शादी आदि में सैनी टेंट हाउस के नाम से शानदार डेकोरेशन का कार्य इनका किया जाता है इसके अलावा गरीब कन्याओं की शादी में उनके द्वारा न्यूनतम रेट में टेंट लगाया जाता है एवं सामाजिक कार्यों में हमेशा अपनी अठाणी भूमिका निभाता है इसी को ध्यान में रखते हुए टेंट यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि जिंदल ने निर्मल सैनी को टेंट यूनियन का राष्ट्रीय सचिव बनाने की घोषणा की जिस पर राजलदेसर कस्बे की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं केपदाधिकारी ने राजनेताओं ने मीडिया कर्मियों ने निर्मल सैनी को इस महत्वपूर्ण जिम्मेवारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करने पर निर्मल सैनी को बधाई पेसित की एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष का आभार जताया वर्तमान में निर्मल की लोकप्रियता को देखते हुए संगठन के प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी ने 2028 में रतनगढ़ के चुनाव लड़ने की भी घोषणा की थी।

एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

चूरू। कृषि विभाग द्वारा आत्मा कार्यालय में चूरू ब्लॉक के कृषकों को पंच गौरव एक जिला एक उपज ग्वारपाठा विषयान्तर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों को सहायक निदेशक कृषि डॉ कुलदीप शर्मा द्वारा ग्वारपाठा औषधि फसल के बारे में सही बुवाई का समय, किस्म भूमि उपचार एवं प्राप्त उत्पादन की मार्केटिंग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई । कृषि अधिकारी (पौ.स.) विजयपुरी द्वारा ग्वारपाठा फसल में लगने वाले रोग एवं कीट व्यादि के बारे में व नियंत्रण के उपाय बताएं तथा ग्वारपाठा से बनने वाले उत्पादों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उपस्थिति कृषकों को कृषि अनुसंधान अधिकारी पवन कुमार ने मृदा स्वास्थ्य एवं भूमि की भौतिक दशा सुधारने हेतु गोबर की खाद वर्मी कंपोस्ट आदि के बारे में कृषकों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कृषि अनुसंधान अधिकारी कविता बुडानिया ने कृषकों को खेतों से मृदा नमूना लेने की विधि मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं विश्लेषण रिपोर्ट के बारे में बताया। कृषि अधिकारी अमनदीप सिंह द्वारा सरसो फसल एवं छोटे बगीचों को पाले से बचाव के उपचार एवं तरीके बताएं इस अवसर पर सहायक कृषि अधिकारी रामजस टाक द्वारा रवि फसलों में लगने वाले कीट व्याधि एवं उनके नियंत्रण के उपाय बताएं। चने एवं गेहूं फसल में जिंक तत्व की कमी के लक्षण एवं निवारण के लिए जिंक सल्फेट एवं यूरिया के दो प्रतिशत के घोल बनाकर वरणीय छिड़काव की सलाह दी गई।

केशवानन्द मे हुआ युवा दिवस का आयोजन

सीकर, (निसं)। एन एच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान समूह द्वारा संचालित स्वामी केशवानन्द कॉलेज में युवा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र पवन कुमार छात्राएं अवन्तिका, अलिना ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन परिचय एवं उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राध्यापक भीम सिंह , ब्रहमदत्त सोनी व आशीष ने विवेकानन्द की शिक्षा की प्रासंगिकता को बताते हुए युवा पीढी को उनके पदचिन्हो पर चलने की प्रेरणा दी। कॉलेज प्राचार्य ललित किशोर तंवर ने अपने उद्बोधन में बताया कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि पुरूषार्थी वही जो भाग्य की रेखा मिटा दे। स्वामी विवेकानन्द ने 1893 में विश्व धर्म सम्मेलन में भारत की एक अलग पहचान कायम कर दी जो कि भारतीय संस्कृति के प्रति विदेशी भी आकर्षित हुए

दुकान में घुसा राख से भरा ट्रेलर

पाटन, (निसं)। मेहरों की ढाणी के पास स्थित एस्सार पेट्रोल पंप के नजदीक सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। राख से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान में जा घुसा। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा सुबह करीब 5 बजे का है। राख से भरा ट्रेलर नीमकाथाना की ओर जा रहा था, जबकि सामने से रोड़ी से भरा एक अन्य ट्रेलर पाटन की दिशा से आ रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से राख वाला ट्रेलर सीधे दुकान में जा घुसा।घटना के समय सुबह की सैर पर निकले लोगों में दहशत फैल गई। तेज आवाज के साथ ट्रेलर के दुकान में घुसने से आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि सुबह का समय होने के कारण दुकान बंद थी, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया।सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के कारण दुकान को आंशिक नुकसान हुआ है। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा उपाय मजबूत करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जंगली जानवरों ने दो बकरियों को मार डाला

खिरोड़, (निसं)। कस्बे की तुरकानी जोहड़ी क्षेत्र में नेमीचंद के घर पर बाड़े में बंधी बकरियों मैं से जंगली जानवर ने दो बकरियों को मार डाला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रात्रि के समय में जंगली जानवर नेमीचंद के खेत में घुस गया और बाड़े में बंधी दो बकरियों को अपना शिकार बना लिया। खिरोड़ ठाम पंचायत प्रशासक महावीर प्रसाद भामू द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग की टीम के सांवरमल मिठारवाल, हल्का पटवारी संदीप कुमार एवं ठाम विकास अधिकारी कुलदीप सिंह ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और संबंधित को रिपोर्ट बनाकर भेजी। इधर ठामीणों ने नेमीचंद सिहाक को हुए नुकसान की भरपाई के लिए जिला प्रशासन से मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

श्रीराम मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

चूरू। रूकमानंद कन्हैयालाल मंडावेवाला चैरिटेबल ट्रस्ट शिलांग द्वारा संचालित श्रीराम मंदिर का 42 वां वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर के विनोद कुमार, प्रमोद कुमार मंडावेवाला ने बताया कि सोमवार को प्रात: 9 बजे से देर रात तक हरे रामा हरे कृष्णा अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया। मंगलवार दोपहर 12:15 बजे भव्य मंगल आरती की जाएगी। जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। आरती के बाद प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग एवं पर्यटन विभाग की ओर से शेखावाटी हस्तशिल्प एवं उद्योग मेला, शेखावाटी उत्सव, पंच गौरव कार्यक्रम, बजट घोषणा, फ्लेगशीप योजनाएं तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। सीएमओ प्रकरणों में संबंधित विभाग तथ्यात्मक एवं संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

'स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाएं'

- विवेकानंद जयंती पर शेखावाटी विवि में 'रन फॉर स्वदेशी' का आयोजन हुआ
- प्रत्युषा हस्तशिल्प-प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का लोकार्पण

सीकर, (निसं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में राष्ट्रीय युवा दिवस पर 'रन फॉर स्वदेशी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया।

इस अवसर पर कुलगुरु (प्रो.) डॉ. राय ने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक है। युवाओं को स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। 'रन फॉर स्वदेशी' कार्यक्रम के लिए 99 विद्यार्थियों को पंजीकरण किए। कार्यक्रम में स्वदेशी अपनाओ, स्वदेशी उत्पादों को दीजिए प्राथमिकता, स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचार उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको के संदेश दिया गया।

विवेकानंद जयंती पर रन फॉर स्वदेशी के बाद शेखावाटी विवि में पीडीयूएस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित 'प्रत्युष हस्तशिल्प-प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र' का लोकार्पण किया गया। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय, पूर्व आईएएस अधिकारी श्याम सिंह राजपुरोहित, प्रौद्योगिकी विवि , जयपुर की प्रेसिडेंट प्रो. रश्मि जैन आदि ने फीता काटकर कर बिक्री केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलसचिव श्वेता यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेंद्र सिंह, सहायक कुलसचिव (परीक्षा) डॉ. आरसी मीना और सहायक कुलसचिव (संपदा) कन्हैया लाल जांगिड़ आदि उपस्थित थे। कुलगुरु प्रो. राय ने कहा कि बिक्री केंद्र से ठामीण स्वरोजगार के बढ़ावा मिलेगा। स्वावलंबन जरूरी है।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी पी सिंह ने बताया कि यह केंद्र स्थानीय कारीगरों, पारंपरिक शिल्प एवं स्वदेशी उत्पादों को स्थायी मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदर्शनी में दौलतपुरा, दादिया, दीनारपुरा, बेरी हरदयालपुरा, भदवासी आदि ठामीण क्षेत्र की महिलाओं ने यहां अपने हस्त निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की ओर से युवा दिवस पर डिजिटल फोरेंसिक और साइबर खतरे की खुफिया जानकारी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस जोधपुर के सेंटर फॉर सिक्यूरिटी के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. अर्जुन चौधरी और उसी विवि के डॉ. आदित्य थे। अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय ने की। वक्ताओं ने साइबर खतरों, डिजिटल युग की चुनौतियों तथा भविष्य में साइबर सुरक्षा की भूमिका पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर विवि के आईटी उपनिदेशक पंकज मील समेत विभाग के फेकल्टी मैंबर्स और विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रशासन की निकाली सांकेतिक शवयात्रा

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बामलास एवं गुढ़ा बावनी में जारी अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीणों का ठिठुरती ठंड में भी 15 दिन से धरना जारी है। धरने स्थल पर जमकर सरकार व प्रशासन विरुद्ध नारेबाजी लगातार जारी है और धरनार्थियों ने प्रशासन की सांकेतिक शवयात्रा निकालकर विरोध दर्ज करवाया। मरू सेना अध्यक्ष एडवोकेट जयंत मूंड ने बताया कि गुढागौड़जी तहसील में व्यापत भ्रष्टाचार एवं खनन माफियाओं के विरुद्ध तहसील मुख्यालय पर हल्ला बोल होगा। धरना स्थल से ट्रेक्टर रैली के रुप में तिरंगे के साथ तहसील के घेराव करेंगे और जब तक मांगे मानी नहीं जाएगी तब तक धरना जारी रहेगा। इस हल्ला बोल में तहसील कार्यालय का घेराव मुख्यमंत्री के नाम फिर से ज्ञापन देंगे। इसको लेकर आज भी पहाड़ी के आसपास के घरों व ढाणियों में पीले चावल बांटे गए एवं जनसंपर्क किया गया। मूंड ने बताया कि उदयपुरवाटी में खनन प्रशासन व तहसीलदार माफियाओं की मिलीभगत से अरावली एवं काटली नदी में दिनरात अवैध खनन व ब्लास्टिंग जारी है। थाने, तहसील और अन्य सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस धरने में कैप्टन विनोदसिंह हुकुमपुरा, जेपी महला, प्रदीप यादव बामलास, दारासिंह मेघवंशी, फूलचंद मेघवाल, संदीप मीना, सज्जन सिंघा, विजय खेदड़, हरिराम, अनिल खेदड़, अब्दुल कायमखानी सहित सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बेदखली सूचना

मनके राजेन्द्र सिंह आयु 47 साल पुत्र रामकुमार जाति जोगी निवासी वार्ड नं.12, हाल वार्ड नं. 16, कस्बा राजगढ़ तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) का हूँ जो कि निम्न तथ्य शपथ पूर्वक बयान करता हू कि :- 1. यह है कि मेरी पुत्री मेहरबानी उर्फ खुशबु पुत्री राजेन्द्र सिंह जाति जोगी निवासी वार्ड नं. 12. हाल वार्ड नं.16, कस्बा राजगढ़ तहसील राजगढ़ जिला चूरू राज. जो कि हमारे कहने सुनने में नहीं रही है। इसलिये मै मेरी पुत्री मेहरबानी उर्फ खुशबु को मेरी निजी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल करता हूँ तथा भविष्य मै मेरी पुत्री मेहरबानी उर्फ खुशबु के साथ किसी प्रकार का कोई लेनदेन या अन्य किसी प्रकार के संव्यवहार के लिये हम उतरदायी नहीं होगें। दिनांक-12.01.2026 शपथ ग्रहिता-राजेन्द्र सिंह

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/200
चूंकि प्रार्थी श्री SANJAY KUMAR, VILLAGE THITHAWATA BODIYA, POST BIRANIYA, TEHSIL FATEHPUR, SIKAR 332301 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास वीर हनुमान मंदिर बुगंला VILLAGE THITHAWATA PIRAN, POST BIRANIYA, TEHSIL FATEHPUR, SIKAR 332301 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे

चूरू। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाकरासर में वीरेंद्र अग्रवाल व ईला देवी गुरुकुल एजुकेशन ट्रस्ट मुंबई के आर्थिक सहयोग एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा चूरू के तत्वाधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाकरासर में 75 विद्यार्थियों को इस कंपकपाती सर्दी के मौसम में स्वेटर वितरण किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी संतोष महर्षि थे वहीं चैयरमेन ओला कॉलेज सादुलपुर के रामावतार बेरासरिया, डॉ सुनील शर्मा, रामावतार भरतिया प्रतिनिधि ईला देवी एजुकेशन ट्रस्ट मुम्बई, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव रघुनंदन शर्मा व सदस्य जगदीश शर्मा विषिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य शिवराज सिंह ने की। इस अवसर पर जिला षिक्षा अधिकारी संतोष महर्षि ने ईला देवी ट्रस्ट व रेड क्रॉस सोसाइटी को धन्यवाद देते हुए सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों के लिए साधुवाद दिया और कहा की सरकारी विद्यालयों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की मदद कर इस प्रकार के कार्य कर पूण्य के भागी बन रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के व्याख्याता यशपाल बेनीवाल, राजबाला, अमर सिंह, लक्ष्मण दान चारण ,ज्ञानाराम ,सरोज व संपत ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। सचिव रघुनंदन षर्मा ने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा विवेकानंद जयंती कार्यक्रम का आयोजन केरियर डे के रूप में मना कर छात्रों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्याख्याता विजय मीना ने किया।

संगोष्ठी का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर आज का युवा और राष्ट्र निर्माण विषय पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के भगतसिंह भरतपुर, मुख्य प्रवक्ता भारत भूषण यादव अखिल भारतीय राज्य विश्वविद्यालय के एबीवीपी के संयोजक एवं रोहन गुर्जर, नगर मंत्री एबीवीपी झुंझुनूं रहे।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 5/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री उमेश कस्वां पुत्र श्री रामदेव सिंह निवासी जय पब्लिक स्कूल, जीत नगर, बसन्त विहार, झुंझुनू ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत जय प्रकाश कस्वां मेमोरियल शिक्षण संस्थान, वार्ड नं. 01 जीत नगर, बसंत विहार, झुंझुनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 01.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

संत 51 शीतल मटकों के जल से कर रहे स्नान

- बुडाना गांव में संत की अनूठी तपस्या आस्था और संकल्प की मिसाल बनी

झुंझुनूं, (निसं)। जब शेखावाटी अंचल में कड़ाके की सर्दी लोगों की रूह कंपा रही है। जब पिलानी जैसे इलाकों में तापमान गिरकर 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोग अलाव व गर्म कपड़ों का सहारा लेने को मजबूर है।ऐसे समय में जिले के बुडाना गांव में एक संत की अनूठी तपस्या आस्था और संकल्प की मिसाल बन गई है।

बुडाना स्थित श्री रूपनाथ धाम के महंत बालयोगी पूनमनाथ इन दिनों ऐसी कठोर साधना में लीन हैं। जिसे देखकर हर कोई आश्चर्यचकित है। जहां आमजन ठंड से बचने के उपाय कर रहे हैं। वहीं बालयोगी पूनमनाथ कड़ाके की सर्दी में धुजणी छुड़ाने वाली तपस्या कर रहे हैं। महंत बालयोगी पूनमनाथ प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपनी तपस्या की शुरुआत करते हैं। वे रोजाना 51 शीतल मटकों के ठंडे जल से स्नान करते हैं और इसके बाद साधना में लीन हो जाते हैं। यह तपस्या लगातार 11 दिनों तक चलेगी और 11वें दिन शीतल जल से स्नान के साथ इस विशेष साधना का समापन होगा। बालयोगी पूनमनाथ का कहना है कि यह तपस्या सनातन धर्म की रक्षा, सृष्टि के कल्याण और मानव मात्र के कल्याण की भावना से की जा रही है। उनका मानना है कि तप और त्याग से ही समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और कठिन समय में साधना का महत्व और भी बढ़ जाता है। कासिमपुरा रोड पर स्थित श्री रूपनाथ धाम में पाबूजी महाराज का मंदिर और शिवालय भी स्थापित हैं। जो इस स्थान को आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष बनाते हैं। बाबा की तपस्या की सूचना मिलने के बाद दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन आश्रम पहुंच रहे हैं।

श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद ले रहे हैं और उनकी साधना को सनातन परंपरा की जीवंत मिसाल बता रहे हैं। जब पिलानी, झुंझुनूं और आसपास के क्षेत्रों में सर्द हवाओं का प्रकोप जारी है और सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में बालयोगी पूनमनाथ की यह कठोर तपस्या लोगों के लिए आस्था, धैर्य और आत्मबल का संदेश दे रही है। शेखावाटी की इस ठिठुरन भरी ठंड में बुडाना की धरती पर हो रही यह साधना न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से भी एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आई है।

सर्व हिंदू समाज समिति का गठन

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में हो रहे हिन्दु सम्मेलन के अंतर्गत केशव बस्ती में सर्व हिंदू समाज की मीटिंग रविवार को गौड़ ब्राह्मण भवन मे आयोजित की गई । मीटिंग में केशव बस्ती सर्व हिंदू समाज समिति का गठन किया गया । तथा 1 फरवरी रविवार 2026 को रामलीला मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया । कमेटी ने अध्यक्ष डा. रेखा शर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम सैनी हरिप्रसाद मंडार, पंकज बाल्मीकि एवं सुमन शर्मा सचिव राम प्रसाद जड़िया, सह सचिव जय शंकर पुजारी, प्रचार प्रमुख अर्चना बारी, कोषाध्यक्ष रमेश सोनी, सह कोषाध्यक्ष विनोद जैन को नियुक्त किया गया। मीटिंग में पुरुषोत्तम बील, जुगल किशोर, श्याम सुन्दर, रोहिताश, अमरचंद पुजारी, गोपाल शर्मा, रवि मुदगल, नरेंद्र पुजारी,संजय जोशी, लीलाधर भार्गव, केशव पारीक, विनोद सोनी, मुरारी लाल मिश्रा, रचना बारी, सुमन देवी आदि मौजूद थे।

जलभराव समस्या से निदान की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। नगर परिषद के वार्ड नंबर 51 के छैलाराम नगर व शहीद इंद्रसिंह सैनी कॉलोनी में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग का निवर्तमान पार्षद प्रदीप सैनी ने प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत को कलेक्ट्रेट में ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया है कि छैलाराम नगर के रास्ते व शहीद इंद्रसिंह सैनी स्मारक के सामने से कॉलोनी में जाने वाले रास्ते की हालत बद से बदत्तर हो रही हैं। घरों का गंदा पानी रास्तों में इकठ्ठा रहता हैं। जिस कारण आमजन का आना-जाना इन रास्तों से मुश्किल हो गया हैं। छोटे-छोटे बच्चें स्कूल जाते समय कीचड़ से गुजरते हैं। जिस कारण बच्चो की स्कूल ड्रेस, जूते गंदे हो जाते हैं। समस्या को लेकर छैलाराम नगर, शहीद इन्द्रसिंह सैनी कॉलोनी के लोगों में आक्रोश है। पिछले दिनों सड़क, नाली और गंदे पानी की निकासी को लेकर सैंकड़ों की संख्या मे महिला, बुजूर्ग व बच्चों ने विधायक निवास पर प्रदर्शन कर अपनी पीड़ा जताई थी। छैलाराम नगर व शहीद इंद्रसिंह सैनी कॉलोनी के गंदे पानी की निकासी मुख्य समस्या है।

इस्तेहार हर खास व आम
न्यायालय जिला न्यायाधीश झुंझुनू (राज.)
पीठासीन अधिकारी दीपा गुर्जर (जिला न्यायाधीश संवर्ग/आर.जे.एस.) झुंझुनू
सिविल विविध प्रकरण (उत्तराधिकारी)
संख्या-72/2025

1. सुशीला उम्र 63 वर्ष पत्नी स्व. ताराचन्द निवासी ग्राम हरिपुरा, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.), 2. सुरेशचन्द्र उम्र 60 वर्ष स्व. ताराचन्द निवासी ग्राम हरिपुरा, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.), 3. महेन्द्र सिंह उम्र 57 वर्ष स्व. ताराचन्द निवासी ग्राम हरिपुरा, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.), 4. सरोज देवी उम्र 59 वर्ष पुत्री स्व. पत्नी हरपाल सिंह, निवासी ग्राम हरिपुरा हाल निवासी ग्राम नान्द का बास, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.), 5. रमेशचन्द्र उम्र 53 वर्ष पुत्र स्व. ताराचन्द निवासी ग्राम हरिपुरा, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.)
...आवेदकगण

बनाम

1. हर आम व खास, 2. बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा अलसीसर तहसील मलसीसर जिला झुंझुनू (राज.) जरिये शाखा प्रबन्धक, 3. एग्रीकल्चर इश्योरेन्स कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय राईट विंग ग्राउण्ड फ्लोर जीवन निधि-1, भवानी सिंह रोड जयपुर राजस्थान-302005 जरिये क्षेत्रीय प्रबन्धक
...अनावेदकगण

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सार्वजनिक सूचना

उपरोक्त आवेदकगण ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के अधीन प्र।स्तुत कर निवेदन किया है आवेदिका सं. 1 के पति व आवेदकगण सं. 2 लगायत 5 के पिता ताराचन्द पुत्र चतरूराम की दिनांक 19.06.2025 को मृत्यु हो चुकी है। आवेदकगण के अलावा मृतक ताराचन्द के अन्य कोई वैध वारिसान नहीं है। आवेदकगण द्वारा मृतक स्व. ताराचन्द के नाम से बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा अलसीसर के के.सी.सी. ऋण खाता सं. 13470500001029 के माध्यम से बीमा कम्पनी द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2024 में की गई रबी व खरीफ की फसल बीमा पॉलिसी सं. 0401082410118172405 एवं 0402082410111401863 कुल मुआवजा/क्लेम राशि 2,21,608 रूपये 87 पैसे मय ब्याज प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है जो उक्त राशि प्राप्त करने के अधिकारी है। अत हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि उक्त राशि को प्राप्त करने के लिए उपरोक्त आवेदकगण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने में किसी को किसी प्रकार की आपत्ति या ऐतराज हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 19.02.2026 को उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा आवेदकगण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा और एतराज समाहत नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 09.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर कार्यालय से जारी किया गया है।
मोहर अदालत
न्यायालय के आदेश से
मुंसरिम, जिला एवं सत्र न्यायालय झुंझुनू

पौष बड़ा का आयोजित

रतनगढ़(निसं)। रतनगढ़ पंचायत समिति के समीप स्थित श्योराण ई-मित्र पर पौष मास के अवसर पर प्रोपराइटर ईश्वर राम श्योराण के सौजन्य से पौष बड़ा का धार्मिक व सामाजिक आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पौष बड़ा प्रसादी का विधिवत वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन ने सहभागिता की।कार्यक्रम में उपस्थित अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मोहन सिंह बीका,राजेंद्र सिंह सुडा, मनोज चारण एवं हिम्मत सिंह ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक व सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू

तारानगर, (निसं)। परम पिता शाह सतनाम जी महाराज के एमएसजी अवतार महीने की खुशियों के उपलक्ष्य में डेरा सच्चा सौदा द्वारा मानवता भलाई के कार्यों की एक और कड़ी जोड़ते हुए शाह सतनाम जी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के आव्हान पर आयोजित किया जा रहा है। सोमवार को शिविर के पहले दिन ईएनटी यानी कान, नाक व गला रोगों से संबंधित मरीजों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। शिविर की शुरूआत अरदास और धन धन सतगुरु तेरा ही आसरा के इलाही नारे के साथ की गई। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष परम पिता शाह सतनाम जी महाराज का पावन अवतार माह डेरा सच्चा सौदा द्वारा 170 मानवता भलाई के कार्यों के माध्यम से मनाया जाता है और इसी श्रृंखला के तहत यह स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। पहले दिन ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर सरल आहुजा, डॉक्टर सुमित सहित शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों और पेरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। अनुभवी विशेषज्ञों की टीम ने मरीजों की गहन जांच कर उन्हें उचित परामर्श व उपचार उपलब्ध कराया, जिससे गरीब, जरूरतमंद और दूर-दराज से आए लोगों को बड़ी राहत मिली। शिविर में पहुंचे मरीजों ने नि:शुल्क एवं उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं मिलने पर डेरा सच्चा सौदा का आभार जताया। डेरा सच्चा सौदा द्वारा समय-समय पर आयोजित ऐसे परमार्थी स्वास्थ्य शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। यह शिविर डेरा सच्चा सौदा द्वारा संचालित 170 मानव कल्याण कार्यों का हिस्सा है, जिनके अंतर्गत आधुनिक तकनीक से युक्त नि:शुल्क इलाज और जांच की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

नाम परिवर्तन

मै, भंवरी, आर्मी नं. 1041064 भूतपूर्व स्व. ड्राइवर, रैंक हवलदार, नाम जुहारा राम की कानूनी रूप से विवाहित पत्नी हूँ, जो ग्राम पोस्ट जनाऊ खारी, तहसील-राजगढ़, जिला चूरू (राज.) पिन 331303 में रहती हूँ, मै यहाँ पूरी ईमानदारी से शपथपूर्वक निम्नलिखित बयान देती हूँ कि मैने अपना नाम भंवरी से बदलकर भंवरी देवी और जन्मतिथि 01.07.1948 से बदलकर 10.02.1949 कर ली है, भविष्य में मेरा बदला हुआ नाम और जन्मतिथि ही जानी जाए। शपथ ग्रहिता- भंवरी AffIDAVIT NO. CD261407 DATE-12.01.2026

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर / सामान्य, उ. प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in, **2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय:** 02.02.2026 को 15:00 बजे तक, **3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 02.02.2026 को 15.00 बजे के बाद, **निविदा सं:** 33-इलेक्ट/बीकेएन/ई-निविदा/25-26, **कार्य का विवरण:** Power Supply Up gradation and system improvement at 11 Major load centers (BKN, LGH, SOG, HMH, SGNR, SSA, HSR, BNW, SDLP, CUR & RTGH) over Bikaner Division, **अनुमानित लागत:** ₹2,02,65,372/-, **धरोहर रूपये:** ₹2,51,300/-, **निविदा दस्तावेज लागत:** Nil
68-PS/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सिंघानिया विश्वविद्यालय में फ्रेशर पार्टी का हुआ आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज कुमार सेवानिवृत्त आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का बेंचमार्क बताते हुए कहा कि संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षिणक, खेल एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। साथ ही खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने स्वर्ण पदक पर 11 हजार रुपए, रजत पदक पर 7100 रुपए तथा कांस्य पदक पर 5100 रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। आगे उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित एआईयू कुश्ती प्रतियोगिता में हमारे विश्वविद्यालय के छात्र विजय ने 79 किलोठाम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर के 250 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। जो इस उपलब्धि को और भी विशेष बनाता है।

उनकी यह सफलता हमारे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मैं विजय को हार्दिक बधाई देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। इस अवसर पर छात्र विजय को उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धि के लिए 5100 रूपए की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रैम्प वॉक का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया। पेपर डांस प्रतियोगिता में बालक वर्ग से दीपक एवं आशीष तथा बालिका वर्ग में जीनत एवं विद्या विजेता रहीं। विद्या द्वारा प्रस्तुत स्टैंड-अप कॉमेडी को दर्शकों ने खूब सराहा। अभिमन्यु पराशर ने सिंघानिया विश्वविद्यालय पर आधारित कविता का सशक्त पाठ किया। वहीं दीपक एवं मनीष द्वारा प्रस्तुत गीतों ने कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्किट भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। कार्यक्रम के दौरान, दुर्गेश, जीनत, दिव्या, विद्या, ऋतिका और मनीषा ने अपने शानदार नृत्य प्रस्तुति से उपस्थित सभी विद्यार्थियों और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान कैंपस निदेशक प्रो. पीएस जस्सल ने विद्यार्थियों का तहेदिल से स्वागत करते हुए कि यह संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं है। बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मंच है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में योग्य शिक्षण-कर्मचारी एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिनका विद्यार्थियों को पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव आई. हाशमी, शैक्षिणक निदेशक डॉ. एसके दुबे एवं प्रो-वाइस चांसलर डॉ. पवन त्रिपाठी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी दुर्गेश और नवीन द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। फ्रेशर सम्मान समारोह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ नवागंतुक छात्र का खिताब आदित्य एमबीए प्रथम वर्ष को प्रदान किया गया। जबकि श्रेष्ठ नवागंतुक छात्रा के रूप में जीनत बीए एलएलबी को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्र का पुरस्कार आशीष बीटेक को तथा सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्रा का सम्मान अमीशा एमए योग को मिला। वहीं श्रेष्ठ व्यक्तित्व छात्र का खिताब रजनीश बीटेक ने अपने नाम किया और श्रेष्ठ व्यक्तित्व छात्रा के रूप में यशस्वी बीबीए को सम्मानित किया गया।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.02.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

हनुमानगढ़, पिलीबंगन, 135180700037335, नागपुर , तहसील चौक, 115510700020022,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फाइनेंस लि. हेतु

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। - शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। हिटमैन ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में अकेले रिकॉर्ड 264 रन बनाए थे।

राजस्थान बी डिवीजन फुटबॉल लीग, जयपुर सिटी एफसी ने लीग में दूसरी जीत दर्ज की

जयपुर, 12 जनवरी। राजधानी के विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल एस्ट्रो टर्फ मैदान पर राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रथम राजस्थान बी डिवीजन सीनियर पुरुष फुटबॉल लीग के तीसरे दिन दो लीग मुकाबले खेले गए। यह जानकारी राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने दी।

दिन का पहला मुकाबला सुबह 10 बजे जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब एवं राजस्थान फुटबॉल स्कूल के मध्य खेला गया। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, किंतु सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के चलते गोल के अवसर साकार नहीं हो सके।

मैच के 27वें मिनट में राजस्थान फुटबॉल स्कूल के खिलाड़ी राणु सिंह राजावत द्वारा पेनल्टी एरिया के बाहर से लगाए गए शॉट को रोकने के प्रयास में जयपुर सिटी के खिलाड़ी सचिन से आत्मघाती गोल हो गया, जिससे राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह बढ़त मध्यांतर तक बनी रही। मध्यांतर के पश्चात जयपुर सिटी एफसी ने खेल में बढ़त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए और मैच के 71वें मिनट में अनुज शर्मा ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम (90 4 मिनट) में जयपुर सिटी को मिले कॉर्नर पर सचिन ने निर्णायक गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिलाई। इस मुकाबले में जयपुर सिटी एफसी के सचिन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दिन का दूसरा मुकाबला दोपहर 12:30 बजे रेड स्टोन सिटी एफसी एवं जेरठी फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया, जो रोमांचक संघर्ष के बाद 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मुकाबले की शुरुआत से ही जेरठी फुटबॉल क्लब ने आक्रामक दबाव बनाया, किंतु पहला गोल रेड स्टोन सिटी एफसी की ओर से विशाल डागर ने 24वें मिनट में कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके पश्चात जेरठी एफसी ने आक्रमण तेज किया और 41वें मिनट में विजयपाल जाखड़ के शानदार गोल से मुकाबला 1-1 से बराबर हो गया, जो मध्यांतर तक कायम रहा।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने संतुलित एवं आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। रेड स्टोन सिटी की ओर से राकेश ने 75वें मिनट में गोल कर टीम को पुन: 2-1 की बढ़त दिलाई, लेकिन चार मिनट बाद ही जेरठी एफसी के अभिषेक काजला ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद कोई भी टीम निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सकी और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मैच में जेरठी एफसी के विजयपाल जाखड़ को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

इन मुकाबलों में भैरूरतन ओझा ने मैच कमिश्नर की भूमिका निभाई, जबकि अवकाश दायमा, जावेद खान, रजत काजला एवं विपिन कुमार ने निर्णायक के रूप में सेवाएं दीं। साथ ही सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि इस लीग में कुल पाँच क्लब भाग ले रहे हैं। 2 जनवरी से प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता में कुल दस मैच खेले जाएंगे, जिनमें शीर्ष पर रह ने वाले दो क्लब आगामी माह में आयोजित होने वाली ए डिवीजन लीग 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे।

इंडिया ओपन में शत-प्रतिशत प्रदर्शन करूंगी : सिंधु

नई दिल्ली, 12 जनवरी। मलेशियन ओपन की सेमीफाइनलिस्ट पीवी सिंधु ने कहा है कि वह मंगलवार से होने वाले इंडिया ओपन में अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन देंगी। प्री-इवेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोमवार को पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने कहा, हर साल जनवरी की शुरुआत में दिल्ली में इंडिया ओपन खेलना हमेशा अच्छा लगता है। घरेलू मैदान पर खेलकर बहुत खुशी होती है। इससे बेहतर और क्या हो सकता है? प्रशंसक और फेडरेशन हमेशा हमारा पूरा समर्थन करते हैं। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे, 100 प्रतिशत देंगे और उम्मीद है कि यहां अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। इंडिया ओपन 2026 का आयोजन 13 से 18 जनवरी 2026 तक होगा। इस बार मुकाबले इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बड़े मल्टी-पर्पज़ हॉल में होंगे, जिससे दर्शकों को पहले की तुलना में कहीं बड़ा और बेहतर टूर्नामेंट देखने का अनुभव मिलेगा। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, जिन्होंने 2009 की बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप अपने गृहनगर हैदराबाद में दर्शक दीर्घा से देखी थी, अब अपने देश में विश्व चैंपियनशिप खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका मानना है कि इंडिया ओपन 2026 इसके लिए एक आदर्श तैयारी साबित होगा।

तन्वी शर्मा, एम. तरुण इंडिया ओपन के मेन ड्रॉ में प्रमोट हुए

नई दिल्ली, 12 जनवरी। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, महिला डबल्स नेशनल चैंपियन अश्विनी भट के और शिखा गौतम और तरुण मन्नेपल्ली को टूर्नामेंट से ठीक पहले कुछ टॉप खिलाड़ियों के हटने के बाद योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में प्रमोट किया गया। वर्ल्ड चैंपियन और पुरुष सिंगल्स वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी शी यू क्यूई रविवार को कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन 2026 के फाइनल में रिटायर होने के बाद टूर्नामेंट से हट गए। महिला सिंगल्स में, तीसरी सीड और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची, जो मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पीवी सिंधु के खिलाफ रिटायर हो गई थीं, वह भी टूर्नामेंट से हट गईं, जिससे तन्वी को इंडिया ओपन में डेब्यू करने का मौका मिला। तन्वी पहले राउंड में चीन की दूसरी सीड वांग झी यी का सामना करेंगी और अगर वह उलटफेर कर पाती हैं, तो 16 साल की यह खिलाड़ी दूसरे राउंड में पीवी सिंधु से भिड़ सकती हैं। तरुण के रिजर्व कैटेगरी से ऊपर आने का मतलब है कि पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड में दो ऑल-इंडिया मुकाबले होंगे। जहां लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी एक-दूसरे के खिलाफ होंगे, वहीं तरुण पहले राउंड में किदांबी श्रीकांत का सामना करेंगे। महिला डबल्स में, अश्विनी और शिखा पहले राउंड में फ्रांस की मार्गोट लैम्बर्ट और कैमिला पोग्नांटे का सामना करेंगी।

धवन ने अपनी गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से की सगाई

नई दिल्ली 12 जनवरी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपनी गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से सगाई करने की घोषणा की। धवन के फॉलोअर्स ने इस खबर का गर्मजोशी से स्वागत किया है, कई लोगों ने खुशी जताई और कहा कि इस साल कपल की शादी को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। शिखर धवन ने आज इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "एक जैसी मुस्कान से लेकर एक जैसे सपने। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और हर शुभकामना के लिए शुक्रगुजार हूं, क्योंकि हमने हमेशा साथ रहने का फैसला किया है।" 35 साल की सोफी शाइन आयरिश नागरिक हैं।

कर्नाटक वीजेडी पद्धति से मुंबई को 54 रनों से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, 12 जनवरी। देवदत्त पड़िक्कल (नाबाद 81) और करुण नायर (नाबाद 74) रनों की शानदार पारियों के दम पर कर्नाटक ने सोमवार को वर्षा प्रभावित पहले क्वार्टर फाइनल में मुम्बई को वीजेडी पद्धित से 54 रनों से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं।

255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक कप्तान मयंक अग्रवाल और देवदत्त पड़िक्कल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। 10वें ओवर में मोहित अवस्थी ने मयंक अग्रवाल (12) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये करुण नायर ने देवदत्त पड़िक्कल के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। 33 ओवर के बाद बारिश होने के कारण आगे खेले नहीं हो पाया। उस समय तक कर्नाटक ने एक विकेट पर 187 रन बना लिये थे। देवदत्त पड़िक्कल (नाबाद 81) और करुण नायर (नाबाद 74) क्रीज पर मौजूद थे। देवदत्त पड़िक्कल और करुण नायर ने अपनी-अपनी पारियों में 11-11 चौके लगाये। बारिश के कारण कर्नाटक को मुम्बई पर वीजेडी पद्धित से 54 रनों से जीत मिली।

आज यहां इससे पहले शम्स मुलानी (86) और कप्तान सिद्धेश लाड (38) की जूझारू पारियों के दम पर मुम्बई ने कर्नाटक को जीत के लिए 255 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 60 के स्कोर तक नियमित अंतराल पर चार विकेट गंवा दिये। इशान मुलचंदानी (20), मुशीर खान (नौ) को विद्याधर पाटिल ने आउट किया। अंगकृष रघुवंशी (27) और हार्दिक तामोरे (एक) रन बनाकर आउट हुये।

इसके बाद कप्तान सिद्धेश लाड और शम्स मुलानी ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 76 रन जोड़े। 34वें ओवर में अभिलाष शेट्टी ने सिद्धेश लाड को आउटकर मुम्बई को पांचवां झटका दिया। सिद्धेश लाड ने 58 गेंदों में चार चौके लगाते हुए 38 रन बनाये। इसके बाद सूर्यांश शेडगे (16) और तनुष कोटियान (छह) जल्द ही आउट होकर पवेलियन लौट गये। अखिरी ओवर में अभिलाष शेट्टी ने शम्स मुलानी को पगबाधा आउट कर दिया। शम्स मुलानी ने 91 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए 86 रनों की पारी खेली।

नवीं मुंबई चुनाव के कारण बिना दर्शकों के होगा डब्ल्यूपीएल मैच

नवीं मुम्बई 12 जनवरी। नवी मुंबई में नगर निगम के चुनाव के कारण गुरुवार को होने वाला वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 का कम से कम एक मैच बिना दर्शकों के खेला जायेगा। मुंबई पुलिस ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि चुनाव और डब्ल्यूपीएल के मैच एक ही दिन होने के कारण, वे उस दिन मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पाएंगे। अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि चुनाव से एक दिन पहले और एक दिन बाद भी (14 और 16 जनवरी) बिना दर्शकों के मैच होगा। आधिकारिक डब्ल्यूपीएल ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म पर 14, 15 और 16 जनवरी के मैचों की टिकट की बिक्री नहीं हो रही है।

52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता 19 जनवरी से

जयपुर , 12 जनवरी। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 19 जनवरी 2026 से किया जा रहा है। जिसमें जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा पंजीकृत सभी प्रमुख भाग लेंगी। पिछली विजेता टीम जयपुर ब्लूज, उपविजेता अरावली क्रिकेट एकेडमी सेमिफाईनलिस्ट राजस्थान यूथ व एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी, चम्बल स्पोर्ट्स, नीरजा मोदी सहित जयपुर की ए व बी डिवीजन सहित सभी प्रमुख टीमें व एकेडमियां भाग लेंगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान के अन्य जिलों की टीम या क्लब भी पूर्व की तरह भाग लेंगे। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी। प्रतियोगिता के सभी मैच 40-40 ओवर के खेले जायेंगे। इसमें विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरुस्कार तथा प्रत्येक मैच का मैन ऑफ दी मैच दिया जायेगा। इच्छुक टीमें अपनी प्रविष्टियां 16 जनवरी 2026 को या इससे पूर्व सचिव एस.एम. माथुर मो. 9829012955 या प्रतियोगिता सचिव सलीम खान मो. 9829244509 को दी जा सकती है।

भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को दिया 296 रनों का लक्ष्य

बुलावायो, 12 जनवरी। अभिज्ञान कुंडु (82), कप्तान आयुष म्हात्रे (49), अमब्रिश (48) और कनिष्क चौहान (नाबाद 45) की जूझारू पारियों के दम पर भारत ने सोमवार को अंडर-19 विश्व कप अभ्यास मुकाबले में इंग्लैंड को जीत के लिए 296 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां भारतीय अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 295 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (एक) का विकेट गंवा दिया। इसे बाद वेदांत त्रिवेदी (14), विहान मल्होत्रा (10) रन बनाकर आउट हुये। आयुष म्हात्रे ने 40 गेंदों में चार चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 49 रनों की पारी खेली। एक समय भारत ने 79 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये थे। ऐसे संकट के समय अभिज्ञान कुंडु और अमब्रिश ने शानदार जूझारू बल्लेबाजी प्रदर्शन करते हुए पांचवें विकेट के लिए 97 रन जोड़े। 33वें ओवर में जेम्स मिंटो ने अमब्रिश को आउट किया। अमब्रिश ने 61 गेंदों में चार चौके लगाते हुए 48 रन बनाये। हरवंश पंगालिया (19) और अभिज्ञान कुंडु भी मिंटो का शिकार बने। अभिज्ञान कुंडु ने 99 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 88 रनों की पारी खेली। मोहम्मद एनान (एक) का भी मिंटो ने शिकार किया। कनिष्क चौहान में 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से नाबाद 45 रन बनाये। खिलन पटेल 11 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड अंडर-19 के लिए जेम्स मिंटो ने पांच विकेट लिये। सेबेस्तियन मॉर्गन को दो विकेट मिले। मैनी लुम्सडेन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के कार्यकारिणी गठन के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 12 जनवरी। मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के कार्यकारिणी गठन के चुनाव सम्पन्न हुये । चुनाव द माय विलेज गार्डन, विधानसभा नगर मानसरोवर जयपुर में चुनाव अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने सम्पन्न करवाये। चुनाव में "मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया" बैंगलौर के सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी बी. एन. पाठक पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान" की निर्वाचित कार्यकारिणी निम्न प्रकार है- डॉ. जी.एल शर्मा, श्रीमती जगदीश कौर, अभिषेक स्वामी गोपाल लाल चौधरी, सीताराम शेरावत, श्रीमती लक्ष्मी स्वामी, अधिप, जगदीश नारायण शर्मा, गिरीश सैनी, दिनेश, राजेश कुमार, सदस्य, अशोक धाकड़, सदस्य, नवनीत माथुर, सदस्य, गोविन्द नारायण गुर्जर, रामफूल मीणा।

एलेक्जेंड्रोवा एडिलेड इंटरनेशनल के पहले राउंड में हारी

कैनबरा, 12 जनवरी। विश्व की 11 नंबर टेनिस खिलाड़ी रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा सोमवार को जैकलिन क्रिस्टियन से हार के बाद एडिलेड इंटरनेशनल के पहले राउंड में बाहर हो गईं, जबकि 14वें नंबर की क्लारा टौसन ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले चोट के कारण अपने मैच से रिटायर हो गईं।

चौथी सीड एलेक्जेंड्रोवा को रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन ने एक घंटे 50 मिनट में 6-4, 6-4 से हराया। रोमानिया की क्रिस्टियन ने पूरे मैच के दौरान रूस की एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पांच बार तोड़ी। मैच के बाद कोर्ट पर क्रिस्टियन कहा, मैं अपने लेवल से बहुत खुश हूं। मुझे खुद पर पूरा भरोसा था, मैं लय में थी, इसलिए मैं यहां आई और खुद पर ध्यान केंद्रित किया। क्रिस्टियन, जो क्वालीफाइंग टूर्नामेंट जीतकर एडिलेड में मुख्य एकल ड्रॉ में पहुंची हैं।

सौराष्ट्र वीजेडी पद्धति से उत्तर प्रदेश को 17 रनों से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, 12 जनवरी। सौराष्ट्र ने सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के वर्षा प्रभावित दूसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश को वीजेडी पद्धित से 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान हार्विक देसाई (नाबाद 100) प्रेरक मांकड़ (67) और चिराग जानी (नाबाद 40) शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत की नींव रखी।

311 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र की शुरुआत खराब रही और उसने चौथे ही ओवर में विश्वराज जडेजा (नौ) का विकेट गंवा दिया। उन्हें करन चौधरी ने आउट किया। इसके बाद प्रेरक मांकड़ ने हार्विक देसाई के साथ दूसरे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। 27वें ओवर में प्रशांत वीर ने प्रेरक मांकड़ को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। प्रेरक मांकड़ ने 66 गेंदों में सात चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 67 रन बनाये। समर गज्जर 14 रन बनाकर तीसरे विकेट के रुप में आउट हुये। बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय सौराष्ट्र ने 40.1 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बना लिये थे। हार्विक देसाई 116 गेंदों में 100 रन बनाकर और चिराग जानी 31 गेंदों में 40 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। हार्विक देसाई ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये। चिराग जानी ने भी दो चौके और दो छक्के उड़ाये।

इससे हपले समीर रिजवी (नाबाद 88) और अभिषेक गोस्वामी (88) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत उत्तर प्रदेश ने सौराष्ट्र को जीत के लिए 311 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश ने शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 42 के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिये। आर्यन जुयाल (शून्य) और ऋतुराज शर्मा (12) को चेतन साकरिया ने अपना शिकार बनाया। प्रियम गर्ग ने 39 गेंदों में 35 रन बनाये।

मेरठ 1857 योद्धाज, यूपीकेएल सीजन 3 में उतरेंगे

नोएडा, 12 जनवरी। एड्रॉइट स्पोर्ट्स वेंचर्स एलएलपी ने उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) में एक नई फ्रेंचाइजी के अधिग्रहण की घोषणा की है। नई टीम का नाम मेरठ 1857 योद्धाज रखा गया है, जो लीग के तीसरे संस्करण में प्रतिस्पर्धा करती नजर आएगी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में एड्रॉइट स्पोर्ट्स वेंचर्स एलएलपी के संस्थापक और सीईओ गजेंद्र शर्मा, श्रीमती अनीता शर्मा तथा एड्रॉइट स्पोर्ट्स वेंचर्स एलएलपी की सीओओ सुश्री ऐश्वर्या भार्गव सहित यूपीकेएल सीजन 2 फिनाले के दौरान कई प्रमुख गणमान्य अतिथि और हितधारक मौजूदगी में टीम के लोगो का अनावरण हुआ। लोगो में मौजूद ढाल रक्षात्मक मजबूती और एकजुटता का प्रतीक है, जो एक मजबूत कबड्डी टीम की आधारशिला है, जबकि क्रॉस किए गए हथियार आक्रमण, रणनीति और रेड व डिफेंस के बीच संतुलन को दर्शाते हैं। केंद्र में स्थित ज्वाला निरंतर ऊर्जा, जुनून और अंतिम सीटी तक लड़ने की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक है। ये सभी तत्व मिलकर उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में रची-बसी, निडर और तेज़ रफ्तार कबड्डी की भावना को दर्शाते हैं। मेरठ 1857 योद्धाज फ्रेंचाइजी की नींव मेरठ के ऐतिहासिक 1857 के विद्रोह की प्रेरणा से रखी गई है। मेरठ केवल एक शहर नहीं, बल्कि साहस, नेतृत्व और प्रतिरोध का प्रतीक है। वीरता और संघर्ष की यही विरासत टीम की मूल पहचान है, जिसे आधुनिक, हाई-इंटेंसिटी कबड्डी के माध्यम से मैट पर उतारने का लक्ष्य रखा गया है।

श्रीलंका ने पाक को 14 रनों से हराया

दांबुला (श्रीलंका), 12 जनवरी। बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के बाद वानिंदु हसरंगा (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने वर्षा प्रभावित तीसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 14 रनों शिकस्त देकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बारिश के कारण रविवार को इस मैच को 12-12 ओवर का कर दिया गया। इस मैच में श्रीलंका ने वानिंदु हसरंगा की 4-35 की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत 160 रन का अपना स्कोर सफलतापूर्वक बचा लिया। बारिश के कारण मैच दो घंटे से अधिक देरी से शुरू हुआ, जिसके बाद पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका की पारी की कामिल मिशारा ने शानदार शुरुआत की, तीन चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन दूसरे ओवर में वह आउट हो गए। तब तक पथुम निसांका दो गेंदों पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट चुके थे। कुसल मेंडिस (30), धनंजय डी सिल्वा (22) और चरित असलंका (21) सभी ने अच्छी शुरुआत की और आउट होने से पहले 20 रन का आंकड़ा पार किया।

इंडिया ओपन में भारतीयों पर रहेगी निगाहें

नई दिल्ली, 12 जनवरी। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी चिराग शेट्टी व सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी का कहना है कि घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने का अहसास हमेशा खास होता है। इन सबके मुताबिक इस बार योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026 का महत्व और भी बढ़ गया है क्योंकि अगस्त में इसी वेन्यू पर बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट, योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026 का आयोजन 13 से 18 जनवरी 2026 तक होगा। यह टूर्नामेंट प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए एक ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करेगा। इस बार मुकाबले इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बड़े मल्टी-पर्पज़ हॉल में होंगे, जिससे दर्शकों को पहले की तुलना में कहीं बड़ा और बेहतर टूर्नामेंट देखने का अनुभव मिलेगा। हर साल की तरह इस संस्करण में भी दुनिया के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें चीन के विश्व चैंपियन शी यू ची, महिला विश्व नंबर-1 आन से यंग और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स चैंपियन क्रिस्टो पोपोव शामिल हैं। अगले पांच दिनों में 20 देशों के कुल 256 खिलाड़ी एक्शन में होंगे, जिनमें चीनी ताइपे 36 खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेज रहा है। प्री-इवेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोमवार को पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने कहा, हर साल जनवरी की शुरुआत में दिल्ली में इंडिया ओपन खेलना हमेशा अच्छा लगता है। घरेलू मैदान पर खेलकर बहुत खुशी होती है। इससे बेहतर और क्या हो सकता है? प्रशंसक और फेडरेशन हमेशा हमारा पूरा समर्थन करते हैं। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे, 100 प्रतिशत देंगे और उम्मीद है कि यहां अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। सात्विक और चिराग ने भी खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए स्टेडियम पहुंचने वाले प्रशंसकों की जमकर सराहना की और भरोसा जताया कि स्टेडियम की क्षमता बढ़ने से हर दिन दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी। चिराग शेट्टी ने कहा, यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। हमने पहली बार 2017 में इंडिया ओपन खेला था और तब से यह टूर्नामेंट हर साल और बड़ा होता गया है। हमने कई टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन 2022 में इंडिया ओपन जीतने से हमें पूरे साल शानदार प्रदर्शन के लिए जबरदस्त आत्मविश्वास मिला। इस बार भी हम टूर्नामेंट में जितना आगे जा सकते हैं, उतना जाना चाहेंगे। उम्मीद है कि बड़ी संख्या में प्रशंसक हमें समर्थन देने आएंगे, क्योंकि स्टेडियम का माहौल हमें और बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करता है। उनके जोड़ीदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने कहा, गुवाहाटी में विश्व चैंपियनशिप का आयोजन बहुत सफल रहा था। हर साल यह टूर्नामेंट और बड़ा होता जा रहा है और इस बार हमें और बड़ा स्टेडियम मिला है। अगस्त में इसी वेन्यू पर विश्व चैंपियनशिप खेली जानी है। पिछले साल पहले दौर से ही स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था और इस साल भी हमें पूरी उम्मीद है कि दर्शक बड़ी संख्या में आएंगे। यह देखकर खुशी होती है कि हर साल समर्थन बढ़ता जा रहा है। 9,50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाला यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट खिलाड़ियों को साल की शुरुआत में महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक अर्जित करने का अवसर देगा, जिससे वे अगस्त 2026 में इसी वेन्यू पर होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर सकें। इसके साथ ही खिलाड़ियों को यहां की परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने का भी मौका मिलेगा। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, योनेक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का एक अहम पड़ाव बन चुका है और खिलाड़ी हमेशा इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने को उत्सुक रहते हैं। इस साल खिलाड़ियों के पास टूर्नामेंट में आगे तक जाने और नए वेन्यू की परिस्थितियों से तालमेल बिठाने का अतिरिक्त प्रोत्साहन है, क्योंकि यही वेन्यू बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत 17 वर्षों बाद करने जा रहा है। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, जिन्होंने 2009 की बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप अपने गृहनगर हैदराबाद में दर्शक दीर्घा से देखी थी, अब अपने देश में विश्व चैंपियनशिप खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका मानना है कि इंडिया ओपन 2026 इसके लिए एक आदर्श तैयारी साबित होगा। सनराइज़ स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विक्रमादित्य धर ने कहा, योनेक्स-सनराइज भारत में जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक बैडमिंटन को बढ़ावा देने में हमेशा अग्रणी रहा है। पिछले एक दशक में इस खेल के विकास और विस्तार पर हमें गर्व है। योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन देश में बैडमिंटन के भविष्य को आकार देने, खिलाड़ियों को प्रेरित करने और पूरे बैडमिंटन समुदाय को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाता है। हमें विश्वास है कि इस सप्ताह के प्रदर्शन कई बच्चों को बैडमिंटन अपनाने और भविष्य में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेंगे। एचएसबीसी इंडिया में इंटरनेशनल वेल्थ एंड प्रीमियर बैंकिंग के प्रमुख संदीप बत्रा ने कहा, हमें बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के साथ लगातार आठवें वर्ष अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस खेल में भागीदारी और दर्शकों की सहभागिता अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच रही है। हमारा साझा लक्ष्य हर स्तर पर बैडमिंटन का विकास करना, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करना और खेल को अधिक सुलभ बनाना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने एक लाख पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया

उन्होंने नवीन युवा नीति-2026 एवं राजस्थान रोजगार नीति-2026 जारी की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्यस्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं की भूमिका को ध्यान में रखते हुए पहली बार युवाओं को प्रदेश के बजट निर्माण में सहभागी बनाने का काम किया गया है।**

जयपुर, 12 जनवरी। सोमवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्यस्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि युवा शक्ति को नमन करने का दिवस है, जिसने हर युग में राष्ट्र की दिशा बदली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास में युवाओं की भूमिका को ध्यान में रखते हुए पहली बार युवाओं को प्रदेश के बजट निर्माण में सहभागी बनाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं को गत सरकार के समय होने वाले पेपरलीक से मुक्ति दिलवाकर दोषियों को पकड़ा है। साथ ही, परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए 351 परीक्षाएं बिना किसी गड़बड़ी के पूरी करवाई हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर युवाओं को सौगात देते हुए भर्ती परीक्षा कैलेण्डर 2026 जारी किया। इस कैलेण्डर में लगभग 1 लाख पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं का प्रस्तावित शेड्यूल दिया गया है, जिसके अनुसार युवा परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। शर्मा ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने राजस्थान युवा नीति-2026 भी जारी की। इस नीति के तहत शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं के लिए उभरते क्षेत्रों में अवसरों का विस्तार किया जाएगा।

शर्मा ने कार्यक्रम में राजस्थान रोजगार नीति-2026 भी जारी की। इस नीति के तहत रोजगार और उद्यमशीलता पर केन्द्रित बहुआयामी रणनीति के माध्यम से मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार के अवसरों को सुलभ बनाया जाएगा।

संसद : 29 को आर्थिक सर्वेक्षण, 1 फरवरी को बजट

नयी दिल्ली, 12 जनवरी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर दो चरणों में दो अप्रैल तक चलेगा, जिसमें कुल 30 बैठकें होंगी। राज्यसभा सचिवालय ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 जनवरी से संसद का बजट सत्र बुलाया है। सत्र के पहले दिन 28 फरवरी को मुर्मू संयुक्त सदन को संबोधित करेंगी, 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण लोकसभा में रखा जायेगा और रविवार, एक फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। आधिकारिक सूचना के अनुसार, सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी चलेगा, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा की 13-13 बैठकें होंगी।

प्रधानमंत्री ने जर्मन चांसलर के साथ पतंग उड़ाई

- **मोदी और फ्रैडरिक मर्ज़ ने साबरमती रिवर फ्रंट पर अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लिया।**

अहमदाबाद, 12 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने सोमवार को गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट पर अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 में साथ मिलकर पतंग उड़ाईं। यह नजारा भारत-जर्मनी के मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक बन गया। फ्रेडरिक मर्ज़ प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

दोनों नेता सबसे पहले साबरमती आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दोनों ने अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में हिस्सा लिया। पीएम मोदी और चांसलर मर्ज़ के पतंग उड़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से बातचीत की और भारत-जर्मनी की साझेदारी को लेकर सकारात्मक संकेत दिए।

'प्र.मंत्री मोदी व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे बड़े लोकतंत्र के बीच का मेल है। पिछली बार डिनर के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत की अपनी पिछली यात्रा और भारत के महान प्रधानमंत्री के साथ अपनी गहरी दोस्ती को याद किया। मुझे उम्मीद है कि राष्ट्रपति जल्द ही, शायद अगले एक-दो साल में, भारत आएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप को सुबह दो बजे फोन करने की आदत है और नई दिल्ली के समय अंतर को देखते हुए यह ठीक भी बैठ सकता है।''

गोर ने भारत के साथ रणनीतिक रिश्तों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि उनका इरादा एक महत्वाकांक्षी एजेंडा को आगे बढ़ाने का है।

उन्होंने कहा, ''भारत से ज्यादा जरूरी कोई और पार्टनर नहीं है। आने वाले महीनों और वर्षों में, एक राजदूत के रूप में मेरा लक्ष्य एक बहुत महत्वाकांक्षी एजेंडा को आगे बढ़ाना है। हम इसे सच्चे रणनीतिक साझेदार के रूप में करेंगे, जहां दोनों देश मेज पर अपनी ताकत, सम्मान और नेतृत्व लेकर आएंगे।'' भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत को लेकर गोर ने माना कि यह एक मुश्किल काम है, लेकिन वे इसे अंतिम रूप देने के लिए पूरी तरह दृढ़ हैं।

गोर ने यह भी घोषणा की कि भारत पैक्स सिलिका गठबंधन का सदस्य होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अगले महीने भारत को इस समूह में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा।''

पैक्स सिलिका गठबंधन अमेरिका के नेतृत्व में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित, मजबूत और इनोवेशन पर आधारित सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है।

ट्रंप बने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपहरण किया गया है। चीन, रूस, कोलंबिया और यहां तक कि स्पेन ने भी अमेरिकी कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया है।

ऑपरेशन के कुछ ही घंटों बाद, ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और नियंत्रित बदलाव की जरूरत के चलते अमेरिका अस्थाई रुप वेनेज़ुएला को ''चलाएगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि इस अंतरिम अवधि में अमेरिका वेनेज़ुएला के तेल की निगरानी करेगा और उसे वैश्विक बाजारों में बेचेगा।

वेनेज़ुएला के भीतर, मादुरो की दूसरे नम्बर की अधिकारी डेल्सी रोड्रिगेज़ ने अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। रोड्रिगेज़ ने अमेरिका के अधिकार के दावों को खारिज किया, मादुरो की रिहाई की मांग की और उन्हें देश का असली नेता बताया।

ममता बनर्जी गिरफ्तार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वालों की गिरफ्तारी का प्रावधान है। राज्य की मुख्यमंत्री न केवल आई-पैक के कार्यालय और प्रतीक जैन के आवास में दाखिल हुईं, बल्कि उन्होंने कैमरे के सामने वह सामग्री भी दिखाईं, जिसे वे वहां से ले गई थीं। कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति छापेमारी वाले स्थल में प्रवेश तक नहीं कर सकता, सामग्री ले जाना तो दूर की बात है। राज्य पुलिस अधिकारियों ने भी छापेमारी वाले परिसरों में प्रवेश किया और ईडी अधिकारियों द्वारा सामग्री जब्त किए जाने की प्रक्रिया में बाधा डाली, जबकि ईडी ने उन्हें तलाशी और जब्ती के वारंट तथा अपनी पहचान दिखा दी थी। इसके अलावा, सत्तारूढ़ दल के कथित गुंडों ने ईडी अधिकारियों और उनके वकीलों को कलकत्ता हाईकोर्ट के उस कक्ष में प्रवेश नहीं करने दिया, जहां ईडी ने राज्य सरकार के अधिकारियों और मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके बाद ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से राहत की मांग की और मुख्यमंत्री के खिलाफ मामले दायर किए। हालांकि, ईडी की ओर से मुख्यमंत्री के खिलाफ इन शिकायतों के बावजूद कुछ राजनीतिक हलकों का कहना है कि केन्द्रीय एजेंसी ने मुख्यमंत्री के प्रति नरम रुख अपनाया और उन्हें छापेमारी वाले परिसरों में प्रवेश करने तथा महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले जाने की अनुमति दी।

जोर पकड़ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योजना ''शक्ति का केन्द्रीकरण करती है, लेकिन जिम्मेदारी राज्यों पर डाल देती है।'' ड्रेज़ ने कहा, ''नए कानून के तहत केन्द्र सरकार को यह तय करने का अधिकार मिल जाता है कि योजना कब और कहां लागू हो, फंडिंग की सीमा क्या रहे तथा वित्तीय जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर डाल दी जाये। इसके अलावा, यदि योजना बंद कर दी जाती है, तो काम न देना गैरकानूनी नहीं माना जायेगा।

मुख्यमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का प्रतीक है। शर्मा ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आ ान किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ कर्मशील होने तथा जरूरतमंदों की मदद का संकल्प लें, ताकि देश और प्रदेश उन्नति के नए शिखर को छू सके।

'परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत को बताया कि एसआईटी की पहली रिपोर्ट के आधार पर एकलपीठ ने भर्ती रद्द करने के संबंध में आदेश दिया था, क्योंकि एसआईटी ने परीक्षा रद्द करने के टास्क के आधार पर ही अपनी रिपोर्ट दी थी। बाद में एसआईटी ने मामले में पुनर्विचार कर अपनी दूसरी रिपोर्ट दी, जिसमें माना गया कि दोषियों की छंटनी संभव होने के कारण पूरी भर्ती को रद्द नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है कि यदि परीक्षा में गड़बड़ी अधिक नहीं है तो परीक्षा को रद्द करना उचित नहीं है। इसके अलावा यह मामला व्यापक स्तर पर नकल का नहीं है। भर्ती में 421 अभ्यर्थियों का आरएएस भर्ती में भी चयन हुआ है। खंडपीठ को यह भी बताया गया कि पकड़े गए अभ्यर्थियों में से कई डमी अभ्यर्थी हैं। ऐसे में यह मामला न तो व्यापक स्तर पर नकल का बनता है और न ही पेपर लीक का। इसके अलावा तत्कालीन आयोग सदस्य बाबूलाल कटारा ने भी किसी गैंग को पेपर देने के बजाए, व्यक्तिगत स्तर पर ही पेपर दिया था। इसलिए एकलपीठ का आदेश रद्द किया जाए।

पूर्व उपराष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यक्रमों के दौरान धनखड़ कई बार बेहोश हो चुके हैं, जिनमें कच्छ का रण, उत्तराखंड, केरल और राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम शामिल हैं। धनखड़ या उनके परिवार की ओर से उनकी वर्तमान स्थिति को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया।

एसआई भर्ती पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रिहा करना उचित है।

जमानत याचिकाओं में अधिवक्ता प्रिंस पाल सिंह व अन्य वकीलों ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं को मामले में फंसाया गया है। विनोद कुमार गत 28 अगस्त, कैलाश कुमार गत 19 सितंबर, परमेश चौधरी 23 सितंबर और मंगलाराम गत 27 सितंबर से जेल में बंद है। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने मामले में अनुसंधान पूरा कर अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया है। इसके अलावा सह आरोपियों को पूर्व में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से जमानत दी जा चुकी है। याचिकाओं में कहा गया कि अभियोजन पक्ष ने कैलाश कुमार और परमेश चौधरी के खिलाफ पेपर खरीदने, मंगलाराम पर अपनी जगह अन्य को परीक्षा में बैठाने और विनोद पर पेपर खरीदने व बेचने के आरोप लगाए हैं, लेकिन अभियोजन पक्ष के पास इस संबंध में कोई भी कड़ीबद्ध साक्ष्य नहीं है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। जमानत का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी विनोद लंबे समय से फरार रहा है। वहीं कैलाश व मंगलराम ने पेपर खरीदे हैं। इसलिए उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

'जीवनपर्यंत मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से मिलकर बनी एक उच्च स्तरीय समिति के जरिए होनी चाहिए। यह समिति राष्ट्रपति को नाम सुझाएगी और राष्ट्रपति उन नियुक्तियों की मंजूरी देंगे। अदालत ने यह भी कहा था कि संसद जब तक नियुक्ति प्रक्रिया पर कानून नहीं बनाती, तब तक यह अंतरिम व्यवस्था लागू रहेगी।

21 दिसंबर 2023 को केन्द्र सरकार ने सीईसी और ईसी की नियुक्ति प्रक्रिया, सेवा शर्तों और कार्यकाल से जुड़ा नया कानून बनाया। इस कानून में तीन सदस्यीय चयन समिति बनाई गई, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि इसमें मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटा दिया गया, जिस पर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया। विपक्षी दलों का कहना है कि यह नया कानून सुप्रीम कोर्ट के 2023 के उस फैसले को कमज़ोर करता है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष वाली समिति के आदेश दिए गए थे।

- **पर इस नई व्यवस्था का भारी विरोध किया था विपक्ष ने और सरकार की नीयत पर कई आरोप लगाये थे।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600